सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
YouTube

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 01, अंक 304, नई दिल्ली । शनिवार, 13 जनवरी 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

हमेशा चुनौतियों को स्वीकार करना चाहिए इससे सफलता मिलेगी या तो शिक्षा।

03 संजय सिंह को राज्यसभा भेजने पर भड़की भाजपा
06 पाकिस्तान में बलूचों का सत्याग्रह
08 इस साल रिटायर होंगे 68 राज्यसभा सांसद...

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर जाम से मिलेगी राहत, बेहतर कनेक्टिविटी के लिए बनाए जाएंगे दो अंडरपास

नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर के सेक्टरों को बेहतर कनेक्टिविटी देने के लिए दो नए अंडरपास बनाए जाएंगे। महामाया फ्लाईओवर से 6.1 किमी पर सुल्तानपुर गांव के पास पहला और दूसरा 16.4 किमी पर झट्टा गांव के पास तैयार होगा। इससे करीब नए विकासित किए जा रहे औद्योगिक सेक्टरों की सीधी कनेक्टिविटी एक्सप्रेस वे के पार हो जाएगी।

बता दें कि इससे पहले तीन अडंरपास सेक्टर-96, कोंडली और एडवंट का निर्माण पूरा कर उन्हें जनता को समर्पित कर दिया गया है, जिसका लाभ लोग ले रहे है। नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे के दोनों ओर औद्योगिक सेक्टर और ग्रामीण इलाके है।

संजय बाटला

नोएडा। नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर के सेक्टरों को बेहतर कनेक्टिविटी देने के लिए दो नए अंडरपास बनाए जाएंगे। शुक्रवार को प्राधिकरण सीईओ डॉ लोकेश एम ने स्थलीय निरीक्षण कर परियोजना को ग्रीन हरी झंडी दे दी है।

दोनों अंडरपास नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे के नीचे बनाये जाएंगे। महामाया फ्लाईओवर से 6.1 किमी पर सुल्तानपुर गांव के पास पहला और दूसरा 16.4 किमी पर झट्टा गांव के पास तैयार होगा। इससे करीब नए विकासित किए जा रहे औद्योगिक सेक्टरों की सीधी कनेक्टिविटी एक्सप्रेस वे के पार हो जाएगी।

तीन अंडरपास जनता को समर्पित

बता दें कि इससे पहले तीन अडंरपास सेक्टर-96, कोंडली और एडवंट का निर्माण पूरा कर उन्हें जनता को समर्पित कर दिया गया है, जिसका लाभ लोग ले रहे है। नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे के दोनों ओर औद्योगिक सेक्टर और ग्रामीण इलाके है। इन दोनों एरिया में लाखों की आबादी और इंडस्ट्री बनने के बाद फुटफाल काफी बढ़ेगा।

ऐसे में कनेक्टिविटी के दो अंडरपास बनाने का निर्णय लिया गया। यह दोनों अंडरपास चार लेन के बनाए जाएंगे। इसके लिए सलाहकार कंपनी का चयन किया जा रहा है। दोनों प्रोजेक्ट की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी। इसके साथ बजट फाइनल किया जाएगा। इस दौरान उप महाप्रबंधक (सिविल) विजय कुमार रावल, सर्किल-1 वरिष्ठ प्रबंधक डोरी लाल वर्मा, वर्क सर्किल नौ वरिष्ठ प्रबंधक विश्वास त्यागी, वर्क सर्किल दस केबी सिंह समेत अन्य स्थलीय निरीक्षण में उपस्थित रहे।

पुशबैक व ओपन दोनों तरीके से देखी जाएगी संभावना

यहां दोनों तरह की तकनीकी के जरिये अंडरपास बनाया जा सकता है। पहला पुश बैक और दूसरा ओपन। पुश बैक के जरिये एक्सप्रेस वे नीचे काम करना थोड़ा पेचिदा है, क्योंकि इससे पहले बनाए गए अंडरपास पुशबैक तकनीकी पर बनाए गए थे। ऐसे में बार बार एक्सप्रेस वे धसने की शिकायत हुई। जिससे जाम की समस्या और योजना की डेड लाइन भी बढ़ी। ऐसे में ओपन यानी खुदाई करके इसे बनाया जा सकता है।

यातायात सुधारने का दिया निर्देश

सेक्टर-14 ए से महामाया फ्लाईओवर तक यातायात को बेहतर किए जाने के लिए एपीजे स्कूल के पास यातायात में सुधार के लिए योजना तैयार करने के लिए कहा। एडवंट अंडरपास का निरीक्षण किया और यहां की गई थीम पेंटिंग की तरह ही अन्य अंडरपास में पेंटिंग करने के निर्देश दिया।

परिवहन विशेष
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र
Title Code : DELHIN28985
PARIVAHAN VISHESH NEWS

1. Web Portal https://www.newsparivahan.com/
2. facebook https://www.facebook.com/newsparivahan00
3. Twitter https://twitter.com/newsparivahan
4. Linkedin https://www.linkedin.com/in/news-parivahan-169680298/
5. Instagram https://www.instagram.com/news_parivahan/
6. Youtube https://www.youtube.com/@NewsParivahan

पर आप सभी के लिए 24 घण्टे उपलब्ध

3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, A-4 पश्चिम विहार, नई दिल्ली : 110063
सम्पर्क : 9212122095, 9811732095

www.newsparivahan.com, www.newstransport.in
Info@newsparivahan. com, news@newsparivahan.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

जीवन अनमोल है और घर में अपने कर रहे हैं इंतजार

संसार में जन्म लेने के लिए माँ के गर्भ में 9 महीने रुक सकते है। चलने के लिए 2 वर्ष, स्कूल में प्रवेश के लिए 3 वर्ष, मतदान के लिए 18 वर्ष, नौकरी के लिए 22 वर्ष, शादी के लिये 25 -30 वर्ष, इस तरह अनेक मौकों के लिए हम इंतजार करते है। लेकिन,,,,,, गाड़ी ओवरटेक करते समय 30 सेकंड भी नही रुकते,,,, ।। बाद में एक्सीडेंट होने के बाद जिन्दा रहे तो एक्सीडेंट निपटाने के लिए कई घण्टे, हॉस्पिटल में कई दिन, महीने या साल निकाल देते है। कुछ सेकंड की गड़बड़ी कितना भयंकर परिणाम

ला सकती है। जाने वाले चले जाते हैं, पीछे वालों का क्या! इस पर विचार किया, कभी किया नहीं। फिर हर बार की तरह, सिर्फ नियति को ही दोष ।। इसलिए सही रफ्तार, सही दिशा में व वाहन संभल कर चलायें सुरक्षित पहुंचे। आपका अपना मासूम परिवार आपका घर पर इंतजार कर रहा है।

'जीवन अनमोल है'

22 जनवरी: अयोध्या श्रद्धालुओ के लिए चलेगी 'आस्था ट्रेन'

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नई दिल्ली। अयोध्या में श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उत्तर रेलवे की लखनऊ मंडल तैयार है। रेल मंत्रालय अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओ के लिए 'आस्था ट्रेन' चलाने जा रही है।

इसके लिए रेलवे बोर्ड की ओर से अनुमति का इंतजार है। इसके अलावा अयोध्या आने वाले अन्य राज्यों के श्रद्धालुओ के लिए भाषा बाधा न बनें, इसके लिए विभिन भाषाओ की जानकारी रखने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती स्टेशन पर की जाएगी। इस बात की जानकारी उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के डिविजन रेलवे मनेजर(डीआरएम) सचिन मोहन ने दी। डीआरएम के मुताबिक हर दिन बढने वाली श्रद्धालुओ की संख्या के मद्देनजर सुविधा एं मुहैया कराना बडा लक्ष्य है ।इसके अलावा बंदरों से श्रद्धालुओ को बचाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। वहीं दोहरीकरण और विधुतीकरण से ट्रेनों की संख्या और स्पीड को बढाया जाएगा। इसके अलावा 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला के नूतन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा में जाने के लोगों के उत्साह के मद्देनजर संगम नगरी से राम नगरी के बीच परिवहन सेवा को बढाने की तैयारी भी जोरों पर है। इस बावत रोडवेज और निजी बसों के संचालकों से मीटिंग कर सहमति बनाई गई है।

नोएडा से सीधे अयोध्या के लिए चलेंगी बसें, मुख्यालय को भेजा गया प्रस्ताव

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद रामलला के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त जाएंगे। ऐसे में नोएडा से सीधे अयोध्या तक बसें चलेंगी। प्रबंधक एनपी सिंह ने बताया कि बसों के संचालन के लिए मुख्यालय को प्रस्ताव भेज दिया गया है। सेक्टर-35 नोएडा डिपो में रामधुन का बजनी शुरू हो गई है। डिपो से यात्रियों को सूचना वाले सिस्टम से नियमित रामधुन बजाई जा रही है।

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद रामलला के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त जाएंगे। इसको लेकर परिवहन विभाग ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। नोएडा डिपो से अयोध्य रूट पर पहली बार बसों का संचालन किया जाएगा।

सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक एनपी सिंह ने बताया कि बसों के संचालन के लिए मुख्यालय को प्रस्ताव भेज दिया गया है। 22 जनवरी के बाद इस रूट पर बस सेवा शुरू की जाएगी। शुरू में एक या दो बस शुरू लगाई जाएगी। उसके बाद यात्रियों की संख्या को देखते हुए जरूरत के अनुसार संख्या बढ़ाई जाएगी।

जून में हट जाएंगे नोएडा डिपो की 22 बसें

नोएडा डिपो से इस साल की पहली छमाई के बाद बसों का संचालन प्रभावित हो सकता है। डिपो की 22 बसें जून के बाद सड़क से हट जाएंगे। इनको 15 वर्ष पूरे हो जाएंगे। अभी नए बसों के मिलने को लेकर कोई स्पष्ट योजना नहीं है। ऐसे में कुछ रूट पर बसों का संचालन बाधित हो सकता है।

वर्तमान में नोएडा डिपो से 180 बसों का संचालन हो रहा है। डिपो को हाल में ही 36 नई बसें मिली थी, लेकिन एक बार फिर बसों की संख्या में कमी आ जाएगी। डिपो के अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए तैयार शुरू कर दी गई है। यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

नोएडा डिपो में शुरू हुई रामधुन

सेक्टर-35 नोएडा डिपो में रामधुन का बजनी शुरू हो गई है। डिपो से यात्रियों को सूचना वाले सिस्टम से नियमित रामधुन बजाई जा रही है। साथ ही डिपो की 20 प्रतिशत बसों में लाउडस्पीकर लगा दिए गए हैं। पहले लखनऊ रूट की बसों में स्पीकर लगाए जा रहे हैं। उसके बाद दूसरे रूट पर लगाई जाएगी। 20 जनवरी तक सभी बसों में स्पीकर लगा दिए जाएंगे। 22 जनवरी को उत्तर परिवहन निगम की सभी बसों में रामधुन बजेगी।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ बड़ौदा दिल्ली 110042

मकर सक्रांति पर्व 15 जनवरी 2024

इस वर्ष मकर संक्रांति का पर्व 15 जनवरी 2024 सोमवार के दिन मनाया जाएगा।

मकर संक्रांति सूर्य की उपासना का पर्व है, सूर्य के धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करने पर खरमास की भी समाप्ति हो जाती है और सभी मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं।

पुराणों के अनुसार मकर संक्रांति से सूर्य उत्तरायण होते हैं और ऐसे शुभ संयोग में मकर संक्रांति पर स्नान, दान, मंत्र जप और सूर्य उपासना से अन्य दिनों में किए गए दान-धर्म से अधिक पुण्य की प्राप्ति होती है।।

आइए जानते हैं मकर संक्रांति का पुण्य और महापुण्य काल समय-:

सूर्य मकर राशि में प्रवेश-:
15 जनवरी 2024 सोमवार को प्रातः 02:54 पर मकर राशि में प्रवेश करेंगे।

पुण्य काल का समय-:
15 जनवरी 2024, सोमवार,
सुबह 07:17 से 17:45 तक।

महा-पुण्य काल का समय-:
15 जनवरी 2024, सोमवार,
सुबह 07:17 से 12:50 **तक**।

xअभिजीत मुहूर्त-:
12:09 से 1250 तक।

पुण्य-महापुण्य काल का महत्व-:
मकर संक्रांति पर पुण्य और महापुण्य काल का विशेष महत्व है. धार्मिक मान्यता है कि इस दिन से स्वर्ग के द्वार खुल जाते हैं. मकर संक्रांति के पुण्य और महापुण्य काल में गंगा स्नान, सूर्योपासना,दान, मंत्र जप करने व्यक्ति के जन्मों के पाप धुल जाते है।

स्नान-:
मकर सक्रांति वाले दिन सबसे पहले प्रातः किसी पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए, यदि यह संभव ना हो सके तो अपने नहाने के जल में थोड़ा गंगाजल डालकर स्नान करें।।

सूर्योपासना-:
प्रातः स्नान के बाद उगते हुए सूर्य नारायण को तांबे के पात्र में जल, गुड, लाल पुष्प, गुलाब की पत्तियां, कुमकुम, अक्षत आदि मिलाकर जल अर्पित करना चाहिए।

गायत्री मंत्र जप-:
सूर्य उपासना के बाद में कुछ देर आसन पर बैठकर गायत्री मंत्र के जप करने चाहिए, अपने इष्ट देवी- देवताओं की भी उपासना करें।।

गाय के लिए दान-:
पूजा उपासना से उठने के बाद गाय के लिए कुछ दान अवश्य निकालें जैसे- गुड, चारा इत्यादि।

पितरों को भी करे याद-:
इस दिन अपने पूर्वजों को प्रणाम करना ना भूलें, उनके निमित्त भी कुछ दान अवश्य निकालें। इस दिन पितरों को तर्पण करना भी शुभ होता है। इससे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

गरीब व जरूरतमंदों के लिए दान-:
इस दिन गरीब व जरूरतमंदों को जूते, चप्पल, (चप्पल-जूते चमड़े के नहीं होने चाहिए) अन्न, तिल, गुड़, चावल, मूंग, गेहूं, वस्त्र, कंबल, का दान करें। ऐसा करने से शनि और सूर्य देव की कृपा प्राप्त होती है।।

परंपराओं का भी रखें ध्यान-:
मकर सक्रांति का त्यौहार मनाने में अलग-अलग क्षेत्रों में अलग- अलग परंपराएं हैं, अतः आप अपनी परंपराओं का भी ध्यान रखें। अर्थात अपने क्षेत्रीय रीति-रिवाजों के अनुसार मकर संक्रांति का त्यौहार मनाए।।

भगवान शिव की उपासना-:
इस वर्ष मकर संक्रांति सोमवार के दिन पड़ रही है अतः भगवान शिवजी की पूजा- उपासना, भगवान शिव का जलाभिषेक इत्यादि करना भी शुभ फलदायक रहेगा।।

स्वामी श्री विवेकानंद जी

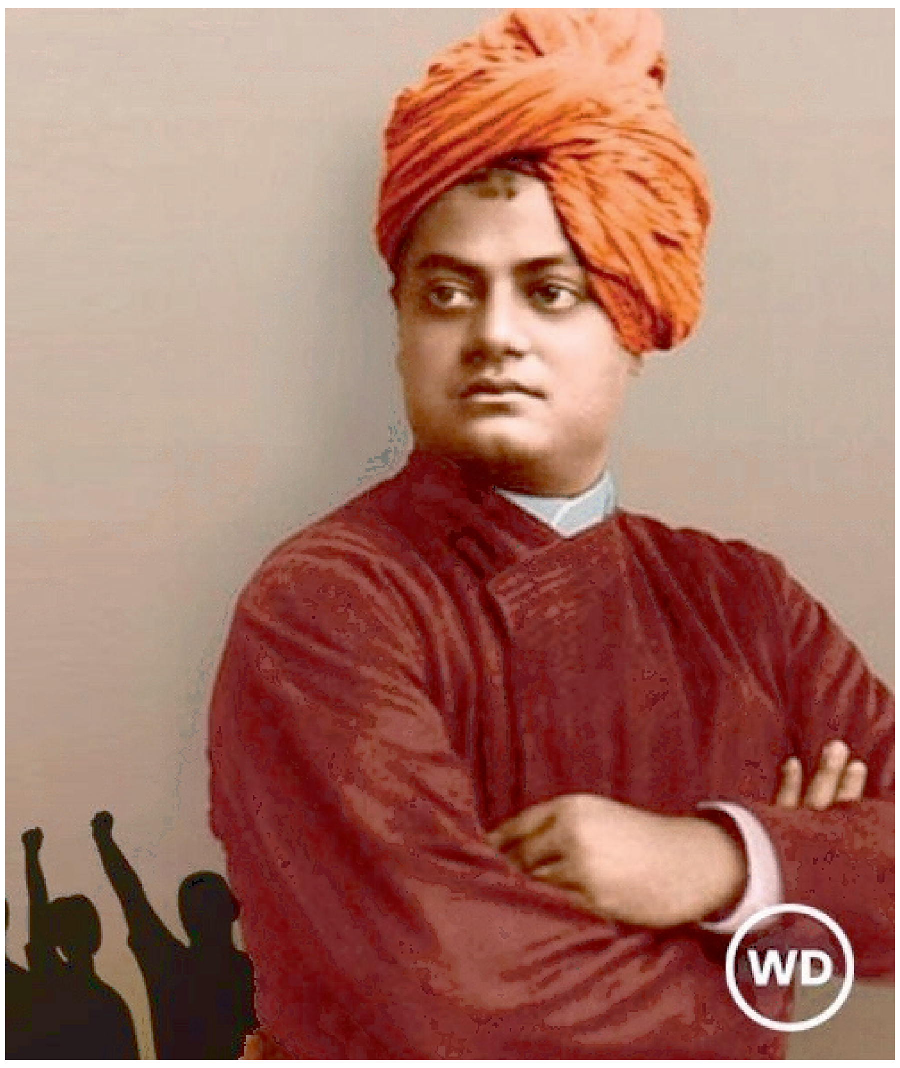

परम श्रद्धेय स्वामी श्री विवेकानंद जी की जयंती पर उनके श्री चरणों में वंदन

भारतीय सनातन संस्कृति एवं भारतीयता के प्रखर प्रवक्ता, युगीन समस्याओं के समाधायक, अध्यात्म और विज्ञान के समन्वयक, वेदान्त के विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु हैं, स्वामी विवेकानन्द जी। उनके प्रभाव की अनुभूति केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनिया आज भी कर रही है।

ऐसे भारतीय सनातन धर्म व संस्कृति के उद्घोषक व युवाओं के प्रेरणा पुंज स्वामी श्री विवेकानंद जी की जयंती युवा दिवस के रूप में मनाई जाती है, और इस दिन भारत का प्रत्येक जागरूक युवा सनातन धर्म, संस्कृति एवं मातृभूमि के संर्वधन व संरक्षण के लिए संकल्पित होता है

'युवा दिवस' के अवसर पर ऐसे सभी युवाओं का अभिनंदन जो अपने निजी हितों से उठकर सनातन धर्म, संस्कृति व अपनी मातृभूमि के विकास में निरंतर लगे हुए है।

गणतंत्र दिवस पर इतिहास रचेगी दिल्ली पुलिस! कर्तव्य पथ पर महिला टुकड़ी करेगी परेड; खास होगा पल

आईपीएस अधिकारी, श्वेता, 26 जनवरी को महिला हेड कांस्टेबलों की मार्चिंग टुकड़ी का नेतृत्व करेंगी. दिल्ली पुलिस के महिला पाइप बैंड का नेतृत्व भी एक महिला अधिकारी, रुयांगुनुओ केन्से, करेंगी.

गौहर/दिल्ली: देश की राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन शानदार तरीके से किया जाता है. हर साल कुछ न कुछ नयापन जरूर देखने को मिलता है. इस बार 75वें गणतंत्र दिवस पर ऐसा कुछ होने जा रहा है जो पहले कभी नहीं हुआ है. इस बार दिल्ली पुलिस ने कुछ अलग करने का सोचा है. दिल्ली पुलिस के इतिहास में पहली बार, एक पूर्ण महिला दस्ता भारत के गणतंत्र दिवस परेड पर मार्च करेगा. दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि 194 महिला अधिकारियों की टुकड़ी भारत के 75वें गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली में कर्तव्य पथ के औपचारिक मार्ग पर मार्च करेगी.

मिली जानकारी के अनुसार आईपीएस अधिकारी, श्वेता, 26 जनवरी को महिला हेड कांस्टेबलों की मार्चिंग टुकड़ी का नेतृत्व करेंगी. दिल्ली पुलिस के महिला पाइप बैंड का नेतृत्व भी एक महिला अधिकारी, रुयांगुनुओ केन्से करेंगी, जबकि पिछली बार इसका नेतृत्व एक पुरुष अधिकारी, इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह ने किया था. महिला पाइप बैंड में हर साल दिल्ली पुलिस का गाना बजाता है और इसमें 135 कांस्टेबल और हेड कांस्टेबल शामिल हैं.

80% महिला अधिकारी पूर्वोत्तर भारत से

अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, एक और अनोखी विशेषता शहरी बल दल में पूर्वोत्तर भारत की 80 प्रतिशत से अधिक महिला अधिकारियों की उपस्थिति होगी. दिल्ली पुलिस के अनुसार, यह पुलिस और उस क्षेत्र के लोगों के बीच एक अच्छे तरह के तालमेल और एक दूसरे को अच्छे से जानने के लिए आठ पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों को भर्ती करने की उसकी नीति के तहत किया गया है.

किरण बेदी ने पहली बार किया था नेतृत्व

यह 1975 की बात है, जब पहली बार एक महिला अधिकारी ने गणतंत्र दिवस परेड में दिल्ली पुलिस दल का नेतृत्व किया था. वह कोई और नहीं बल्कि भारत की पहली महिला आईपीएस अधिकारी किरण बेदी थीं. उन्होंने दिल्ली पुलिस की सर्व-पुरुष टुकड़ी का नेतृत्व किया था.

क्या दूध के साथ आयरन की गोली लेना सेहत के लिए खतरनाक? यह भ्रम या सच्चाई, डॉक्टर से जान लें हकीकत

Iron Tablet And Milk Gap: डॉक्टर प्रेग्नेंट महिलाओं और अन्य लोगों को आयरन की कमी पूरा करने के लिए आयरन की गोलियां लेने की सलाह देते हैं. अधिकतर लोग आयरन की गोलियां लेते समय कई जरूरी बातों का ध्यान नहीं देते हैं, जिसकी वजह से उन्हें फायदा नहीं होता है. आज डॉक्टर से जानेंगे कि आयरन की गोलियां किस तरह खानी चाहिए.

आयरन हमारे शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व होता है और इसकी कमी होने से कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है. आयरन की कमी होने पर डॉक्टर लोगों को इसकी गोलियां देते हैं, ताकि जल्द से जल्द शरीर में इसकी कमी को पूरा किया जा सके. आमतौर पर गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों और कुछ मेडिकल कंडीशन से जूझ रहे लोगों को भी आयरन की गोलियां खाने की सलाह दी जाती है. हालांकि कुछ लोग आयरन की गोलियों को दूध के साथ लेने लगते हैं. अब सवाल है कि क्या आयरन की गोलियों को दूध के साथ लेना नुकसानदायक होता है? आखिर इन गोलियों को कब और किस तरह खाना चाहिए? चलिए इस बारे में डॉक्टर से हकीकत जान लेते हैं. नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के प्रीवेंटिव हेल्थ एंड वेलनेस डिपार्टमेंट की डायरेक्टर डॉ. सोनिया रावत के मुताबिक दूध के साथ आयरन की गोलियों को नहीं खाना चाहिए. ऐसा करने से शरीर में उनका अब्जॉर्प्शन नहीं होता है और गोलियां खाने का कोई फायदा नहीं होता है. आयरन की टेबलेट को चाय या कॉफी के साथ भी नहीं लेना चाहिए. ऐसा करने से लोगों को किसी तरह का फायदा नहीं होगा. दूध के साथ आयरन की गोली लेने का कोई गंभीर खतरा तो नहीं है, लेकिन इससे दवा बेअसर हो जाती है और शरीर को कोई फायदा नहीं मिलता है.खासतौर से प्रेग्नेंट महिलाओं को इस तरह की गलती नहीं करनी चाहिए, वरना गर्भ में पल रहे बच्चे को पर्याप्त मात्रा में आयरन नहीं मिल पाएगा. इससे गर्भवती महिला और गर्भ में पल रहे बच्चे का स्वास्थ्य प्रभावित होगा.

सर्दियों में क्यों बढ़ जाता है घुटनों का दर्द? जानें वजह
सर्दियों में क्यों बढ़ जाता है घुटनों का दर्द? जानें वजहआगे देखें...

कैसे लेनी चाहिए आयरन की गोलियां?
डॉ. सोनिया रावत रहती हैं कि आयरन की गोलियों को हमेशा पानी या विटामिन सी से भरपूर जूस के साथ लेना चाहिए. आप ऑरेंज जूस के साथ आयरन की टैबलेट्स लेंगे तो सबसे ज्यादा फायदा होगा. इसके अलावा आयरन की टेबलेट लेने के 2 घंटे बाद ही दूध पीना चाहिए. आयरन की गोली और खाने में भी 2 घंटे का गैप रखना चाहिए. अगर आपने खाना खा लिया है तो कम से कम 2 घंटे बाद आयरन की दवा लें. इस दवा की डोज और दवा लेने का समय आप अपने डॉक्टर से पूछ सकते हैं. खुद से दवा की डोज में कोई बदलाव न करें.

केले के साथ आयरन टेबलेट लेना सेफ
डॉक्टर की मानें तो कई बार आयरन की दवा लेने के बाद प्रेग्नेंट महिलाओं को उल्टी की शिकायत होने लगती है. ऐसे में अगर आप इस दवा को केले के साथ लेंगे, तो इससे किसी भी तरह के साइड इफेक्ट नजर नहीं आएंगे और उल्टी से भी काफी हद तक राहत मिल जाएगी. इसके अलावा एक और जरूरी बात यह है कि लोगों को आयरन और कैल्शियम की दवा एक साथ नहीं लेनी चाहिए और इनमें भी कुछ घंटे का अंतर रखना चाहिए. एक साथ ये दवाएं लेने से शरीर को नुकसान हो सकता है. ऐसे में सावधानी बरतें.

दिल्लीवाले रहें तैयार! अभी और कंपकंपाएगी ठंड; अगले दो दिन घने कोहरे का येलो अलर्ट

परिवहन विशेष न्यूज

तेज हवाओं के असर से शुक्रवार को यहां का न्यूनतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस से भी नीचे आ गया। यह इस सीजन सबसे कम न्यूनतम तापमान था। यही नहीं कोहरा भी इस सीजन का सबसे घना देखने को मिला। आईजीआई एयरपोर्ट पर दृश्यता का स्तर जीरो रह गया। मौसम विभाग ने अगले दो दिन तक ऐसा ही मौसम बने रहने का पूर्वानुमान जारी किया है

नई दिल्ली। जबरदस्त ठंड की चपेट में चल रही दिल्ली इस समय पहाड़ी इलाकों जैसी सर्द हो गई है। तेज हवाओं के असर से शुक्रवार को यहां का न्यूनतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस से भी नीचे आ गया। यह इस सीजन सबसे कम न्यूनतम तापमान था। यही नहीं, कोहरा भी इस सीजन का सबसे घना देखने को मिला।

घने को लेकर येलो अलर्ट

आईजीआई एयरपोर्ट पर दृश्यता का स्तर जीरो रह गया। मौसम विभाग ने अगले दो दिन तक ऐसा ही मौसम बने रहने का पूर्वानुमान जारी किया है, साथ ही घने कोहरे को लेकर येलो अलर्ट दे दिया है। शुक्रवार सुबह दिल्लीवासी सोकर उठे तो रजाई या कंबल से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे थे।

पांचवी कक्षा तक के स्कूल तो अभी बंद चल ही रहे हैं, लेकिन इससे आगे की कक्षाओं के छात्र छात्राओं, काम- धंधे पर जाने वाले और नौकरीपेशा लोगों के लिए खासी आफत वाली स्थिति रही। कई कई स्वेटर-जैकेट पहनने के बाद भी ठंड कम नहीं हो रही थी।

तीन डिग्री कम न्यूनतम तापमान

मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को राजधानी का न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 3.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 2018 के बाद यह इस तारीख का सबसे कम तापमान था। 12 जनवरी 2017 को शहर का न्यूनतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दूसरी तरफ आया नगर में यह 3.2 डिग्री और लोधी रोड में 3.6 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 19.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मुंगेशपुर में यह 14.4 और जाफरपुर में 15.2 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा में नमी का स्तर 100 से 45 प्रतिशत दर्ज हुआ।

आईजीआई एयरपोर्ट पर शून्य रही दृश्यता

शुक्रवार सुबह दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में घना कोहरा भी देखने को मिला। आलम यह रहा कि आईजीआई एयरपोर्ट पर सुबह पांच बजे दृश्यता का स्तर शून्य तक पहुंच गया। यह स्थिति कई घंटे तक बनी रही। एयरपोर्ट पर रनवे विजुअल रेंज भी 125 से 200 मीटर ही रह गई।

मौसम विभाग ने शनिवार की सुबह भी घने कोहरे का पूर्वानुमान लगाया है और येलो अलर्ट जारी किया है। दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 19 और पांच डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

> “ आईजीआई एयरपोर्ट पर दृश्यता का स्तर जीरो रह गया। मौसम विभाग ने अगले दो दिन तक ऐसा ही मौसम बने रहने का पूर्वानुमान जारी किया है, साथ ही घने कोहरे को लेकर येलो अलर्ट दे दिया है। शुक्रवार सुबह दिल्लीवासी सोकर उठे तो रजाई या कंबल से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे थे। पांचवी कक्षा तक के स्कूल तो अभी बंद चल ही रहे हैं, लेकिन इससे आगे की कक्षाओं के छात्र छात्राओं, काम- धंधे पर जाने वाले और नौकरीपेशा लोगों के लिए खासी आफत वाली स्थिति रही। कई कई स्वेटर-जैकेट पहनने के बाद भी ठंड कम नहीं हो रही थी।

आदर्श नगर में घर के बाहर फेंके पेट्रोल बम, गोलियां भी चलीं; एक नाबालिग पकड़ा

दिल्ली के आदर्श नगर में एक घर के बाहर पेट्रोल बम फेंके जाने और गोलीबारी करने के मामले में एक नाबालिग को पकड़ा है। घटना गुरुवार रात को सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस ने बताया कि फुटेज में चेहरे ढके हुए चार युवाओं का एक समूह पेट्रोल बम फेंकते और भागते हुए दिख रहा है। पुलिस केस दर्ज करके आगे की जांच कर रही है।

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के आदर्श नगर में एक घर के बाहर पेट्रोल बम फेंके जाने और गोलीबारी करने के मामले में एक नाबालिग को पकड़ा है। शुक्रवार को पुलिस ने इस संबंध में जानकारी दी है। घटना गुरुवार रात को सीसीटीवी में कैद हो गई है।

घटना में कोई घायल नहीं

पुलिस ने बताया कि फुटेज में चेहरे ढके हुए चार युवाओं का एक समूह पेट्रोल बम फेंकते और भागते हुए दिख रहा है। घर के मालिक ने पुलिस को बताया कि हमला करने वाले लोगों के एक समूह के साथ उसका विवाद था। पुलिस के अनुसार, उनके परिवार का कोई भी सदस्य घायल नहीं हुआ।

संबंधित धाराओं में केस दर्ज

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि किशन और उसके जिस समूह के साथ उसका विवाद था, उसका पिछला आपराधिक रिकॉर्ड है। आदर्श नगर पुलिस स्टेशन में संबंधित धाराओं में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है, मामले में आगे की जांच जारी है।

आप का कूडे के पहाड खत्म का वादा भी अधूरा : राजा इकबाल सिंह

परिवहन विशेष। एसडी सेठी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में कूडे के ढेरों से 1 जनवरी ,2024 तक निजात दिलाने के वादे पर सवार होकर एमसीडी का चुनाव जीती केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने अब तक कोई सुध नहीं ली है। यह कहना है बीजेपी के पूर्व मेयर रहे राजा इकबाल सिंह का। उनका दावा है कि मुद्दों से ध्यान भटकाने के चलते दिल्ली की मेयर शैली ऑबेरॉय पद यात्रा करने में मशगूल है।

वहीं निगम के सफाई कर्मचारी हडताल पर जा रहे हैं।राजा इकबाल ने मेयर शैली ओबेरॉय से सवाल किया कि दिल्ली के चीफ मिनिस्टर अरविंद केजरीवाल ने राजधानी दिल्ली की सफाई के लिए 850 करोड रूपये देने का वादा किया था। मेयर ओबेरॉय बताए कि कथित साढे आठ करोड की राशि कहां है। पूर्व मेयर राजा इकबाल सिंह ने दिल्ली की चरमराई सफाई व्यवस्था को लेकर निगम की शैली पर हल्ला बोलते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली की जनता से 01 जनवरी,2024 तक कूडे के पहाड़ को खत्म करने के वायदे पर निगम की सत्ता पर काबिज हुई थी। लेकिन जनवरी .महीना भी बीतने को है, लेकिन दिल्ली की सफाई व्यवस्था बुरी तरह से चरमरा गई है। दूसरी और तीनों लैंडफिल साइट पर कूडा बड गया है। पूर्व मेयर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि राजधानी दिल्ली की अनाधिकृत कालोनियों में नाले नालियां और पीडब्लूडी ,दिल्ली जल बोर्ड के तहत सीवर सफाई की व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। पूरी दिल्ली कूडा-कूडा है। नाले कूडे से लबालब भरे पडे हैं। लेकिन सुध लेने वाला कोई नहीं है। दिल्ली की जनता त्रस्त है। शहीं तमाम सफाई कर्मचारी हडताल पर जाने को कमर कसे बैठे हैं।

अवैध संबंधों के चलते ,पत्नी पर किया था जान लेवा हमला , एसएसपी ने शुरू कराई कार्यवाही

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। थाना पलवपुरम क्षेत्र शील कुंज की पीड़िता अंतिमा गुप्ता ने आरोप लगाया था कि उसके पति के कई महिलाओं से अवैध संबंध है और उपरोक्त थाने में कई मामले दर्ज हैं। दूसरी ओर शैलजा पुरी ने भी क्राइम नंबर 177/23अन्तर्गत धारा 367 IPC , पोक्सो का केस दर्ज करवाया हुआ है।सारे मामले चार्जशीट दाखिल के बाद कार्ट में चल रहें है,ऐसे आरोपी डॉक्टर शेलेंदर सिंह को अस्पताल में बने रेहना उचित नहीं होगा,अन्यथा फिर किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकता है।इस बाबत पीड़िता शैलजा पुरी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को भी पत्र लिखा है।सीएमओ साहब ध्यान दें।

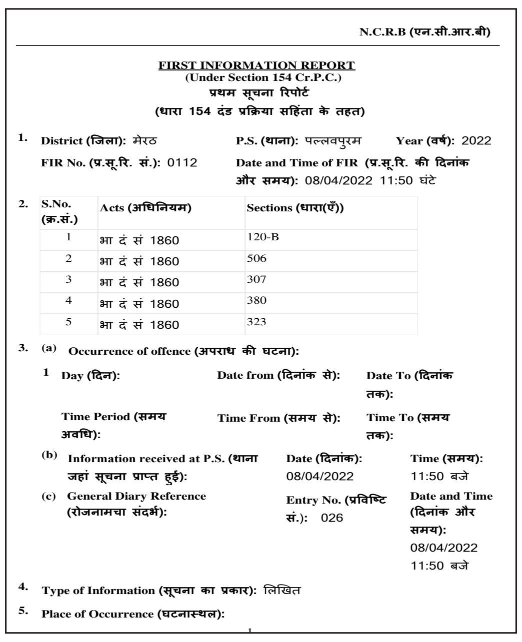

N.C.R.B (एन.सी.आर.बी)

FIRST INFORMATION REPORT
(Under Section 154 Cr.P.C.)
प्रथम सूचना रिपोर्ट
(धारा 154 दंड प्रक्रिया सहिंता के तहत)

1. District (जिला): मेरठ P.S. (थाना): पल्लवपुरम Year (वर्ष): 2022
FIR No. (प्र.सू.रि. सं.): 0112 Date and Time of FIR (प्र.सू.रि. की दिनांक और समय): 08/04/2022 11:50 घंटे

2.

S.No. (क्र.सं.)	Acts (अधिनियम)	Sections (धारा(एँ))
1	भा दं सं 1860	120-B
2	भा दं सं 1860	506
3	भा दं सं 1860	307
4	भा दं सं 1860	380
5	भा दं सं 1860	323

3. (a) Occurrence of offence (अपराध की घटना):
1 Day (दिन): Date from (दिनांक से): Date To (दिनांक तक):
Time Period (समय अवधि): Time From (समय से): Time To (समय तक):
(b) Information received at P.S. (थाना जहां सूचना प्राप्त हुई): Date (दिनांक): 08/04/2022 Time (समय): 11:50 बजे
(c) General Diary Reference (रोजनामचा संदर्भ): Entry No. (प्रविष्टि सं.): 026 Date and Time (दिनांक और समय): 08/04/2022 11:50 बजे

4. Type of Information (सूचना का प्रकार): लिखित
5. Place of Occurrence (घटनास्थल):

दिल्ली के रोहिणी में आयोजित सेमिनार में विश्वास न यूज की एक्सपर्ट ने वरिष्ठ नागरिकों को ट्रेनिंग देते हुए यह बात कही।

सच के साथी सीनियर्स: किसी सूचना को फॉरवर्ड करने से पहले सोर्स चेक कर लें

दिल्ली के रोहिणी में आयोजित सेमिनार में विश्वास न्यूज की एक्सपर्ट ने वरिष्ठ नागरिकों को ट्रेनिंग देते हुए ने कहा कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर मिलने वाली सूचनाओं को बिना जांचे फॉरवर्ड करने से फर्जी और भ्रामक सूचनाओं की चेन लंबी होती जाती है। इसे तोड़ने के लिए सूचनाओं के सोर्स को चेक करना जरूरी है।

नई दिल्ली। मोबाइल के जिंदगी का अहम हिस्सा बनने के साथ ही लोग आभासी दुनिया के शिकार होने लगे हैं। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर मिलने वाली सूचनाओं को बिना जांचे फॉरवर्ड करने से फर्जी और भ्रामक सूचनाओं की चेन लंबी होती जाती है। इसे तोड़ने के लिए सूचनाओं के सोर्स को चेक करना जरूरी है। इससे न सिर्फ इस चेन को तोड़ा जा सकता है, बल्कि डिजिटल फ्रॉड से भी बचा सकता है।

दिल्ली के रोहिणी में आयोजित सेमिनार में विश्वास न्यूज की एक्सपर्ट ने वरिष्ठ नागरिकों को ट्रेनिंग देते हुए यह बात कही। रोहिणी के सेक्टर-9 स्थित आदर्श पब्लिक स्कूल में शुक्रवार (12 जनवरी) को इस सेमिनार का आयोजन किया गया। जागरण न्यू मीडिया की फैक्ट चेकिंग विंग विश्वास न्यूज के मीडिया साक्षरता अभियान के तहत आयोजित कार्यशाला में मुख्य रूप से वरिष्ठ नागरिकों को ट्रेनिंग दी गई।

सूचनाएं हमारी मानसिक स्थिति पर प्रभाव डालती

विश्वास न्यूज की सीनियर एडिटर एवं फैक्ट चेकर उर्वशी कपूर ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए संतुलित खानपान और सूचनाओं के आपसी संबंध को समझाया। उन्होंने कहा कि जिस तरह संतुलित खानपान शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है, उसी प्रकार स्वस्थ सूचनाएं मानसिक सेहत के लिए जरूरी है। उन्होंने समझाया कि किस तरह से सूचनाएं हमारी मानसिक स्थिति पर प्रभाव डालती हैं।

डिप्टी एडिटर एवं फैक्ट चेकर पल्लवी मिश्रा ने उदाहरणों के माध्यम से मिसइन्फॉर्मेशन, डिसइन्फॉर्मेशन और मालइन्फॉर्मेशन के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि लुभावने मैसेज के साथ फिशिंग लिंक्स शेयर किए जाते हैं। ऐसे मैसेज मिलने पर उनके यूआरएल को ध्यान से चेक करें और वेरिफाइड सोर्स से उसकी पुष्टि करें। अन्यथा फिशिंग लिंक्स पर क्लिक करने से आप साइबर ठगी के शिकार हो सकते हैं।

पल्लवी ने रश्मिका मंदाना के डीपफेक वीडियो का उदाहरण देते हुए वर्कशॉप में मौजूद प्रतिभागियों को डीपफेक वीडियो या एआई निर्मित तस्वीरों को पहचानने की ट्रेनिंग भी दी। साथ ही उन्होंने फैक्ट चेकिंग टूल्स गूगल ओपन सर्च और गूगल रिवर्स इमेज से किसी भी संदिग्ध सूचना या वायरल तस्वीर की जांच करना भी सिखाया।

कार्यक्रम के अंत में उर्वशी ने कहा कि चुनाव के दौरान इसे प्रभावित करने के लिए बहुत सी सूचनाओं सोशल मीडिया पर प्राप्त होती रहती हैं। इनकी पड़ताल कर इन्हें फैलने से रोकें और जागरूक मतदाता बनने में अपना सहयोग दें। साथ ही उन्होंने सभी से सच के साथी मुहिम का हिस्सा बनने की अपील भी की।

इन राज्यों में भी हो चुकी है ट्रेनिंग

इससे पहले इस अभियान के तहत मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और बिहार के नागरिकों को भी फैक्ट चेकिंग की ट्रेनिंग दी जा चुकी है। गूगल न्यूज इनिशिएटिव (जीएनआई) के सहयोग से संचालित हो रहे इस कार्यक्रम का अकादमिक भागीदार माइका (मुद्रा इंस्टीट्यूट ऑफ कम्युनिकेशंस, अहमदाबाद) है।

यह है अभियान

'सच के साथी सीनियर्स' भारत में तेजी से बढ़ रही फेक और भ्रामक सूचनाओं के मुद्दे को संबोधित करने वाला मीडिया साक्षरता अभियान है। कार्यक्रम का उद्देश्य 15 राज्यों के 50 शहरों में सेमिनार और वेबिनार की श्रृंखला के माध्यम से स्रोतों का विश्लेषण करने, विश्वसनीय और अविश्वसनीय जानकारी के बीच अंतर करते हुए वरिष्ठ नागरिकों को तार्किक निर्णय लेने में मदद करना है।

संसद सुरक्षा में सेंध के आरोपितों का हुआ पालीग्राफ व नार्को टेस्ट, गुजरात में हुई थी ब्रेन मैपिंग

मालूम हो कि आरोपितों का पालीग्राफ टेस्ट कराने की अनुमति देने के लिए पुलिस ने अदालत का रुख किया था। पांच आरोपितों ने तो सहमति दे दी थी लेकिन छठी आरोपित नीलम आजाद ने परीक्षण के लिए अपनी सहमति नहीं दी। आरोपितों की आठ दिन की पुलिस हिरासत शनिवार को समाप्त हो रही है। इन्हें जल्द दिल्ली लाया जा सकता है।

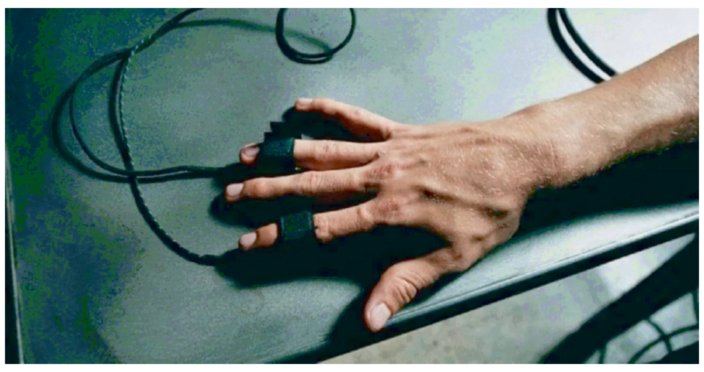

नई दिल्ली। संसद सुरक्षा में सेंध के पांच आरोपितों पर चल रहा पालीग्राफ और नार्को-विश्लेषण परीक्षण शुक्रवार को पूरा हो गया। इस मामले की छठी आरोपित नीलम आजाद ने परीक्षण के लिए सहमति नहीं दी थी, जिसके कारण उसका परीक्षण नहीं हो सका। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पांच आरोपितों सागर शर्मा, मनोरंजन डी, अमोल शिंदे, ललित झा और महेश कुमावत को आठ दिसंबर को पालीग्राफ टेस्ट के लिए गुजरात ले जाया गया था। पांचों का पालीग्राफ परीक्षण गांधीनगर में फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला में किया गया। दो आरोपितों सागर और मनोरंजन का नार्को-विश्लेषण और ब्रेन मैपिंग परीक्षण भी किया गया। मालूम हो कि आरोपितों का पालीग्राफ टेस्ट कराने की अनुमति देने के लिए पुलिस ने अदालत का रुख किया था। पांच आरोपितों ने तो सहमति दे दी थी, लेकिन छठी आरोपित नीलम आजाद ने परीक्षण के लिए अपनी सहमति नहीं दी। आरोपितों की आठ दिन की पुलिस हिरासत शनिवार को समाप्त हो रही है। इन्हें जल्द दिल्ली लाया जा सकता है। क्या होता है नार्को-परीक्षणबता दें कि नार्को-विश्लेषण परीक्षण में व्यक्ति दवा से अर्ध-बेहोशी की हालत में होता है।

इस दौरान उसके जानकारी प्रकट करने की अधिक संभावना होती है, जो आमतौर पर सचेत अवस्था में प्रकट नहीं होती है। ब्रेन मैपिंग, जिसे न्यूरो मैपिंग भी कहा जाता है, के जरिये अपराध से संबंधित छवियों या शब्दों के प्रति मस्तिष्क की प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण किया जाता है।

दिल्ली नर्सरी दाखिला स्कूल की पहली लिस्ट जारी...

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के प्राईवेट स्कूलों ने नर्सरी से पहली क्लास की सामान्य सीटों पर एडमिशन, सत्र-2024-25 के लिए पहली लिस्ट आज (शुक्रवार) को जारी कर दी है।

बच्चे के स्कूल दाखिले को लेकर उत्साहित पेरेंट्स एडमिशन करा सकेगें। इसके अलावा स्कूल वेटिंग लिस्ट भी जारी करेंगे। तमाम प्रतिष्ठित पब्लिक स्कूलों के बाहर नोटिस बोर्ड पर चस्पा लिस्टों पर अपने नौनिहाल का नाम देखने की भीड उमड पडी। डीएवी पब्लिक स्कूल,दीपाली ,वेस्ट पीएम पुरा में आज सुबह लिस्ट चस्पा कर दी गई। साथ ही स्कूल की साइट पर भी पेरेंट्स को सूचित कर दिया गया। पेरेंट्स सुबह से ही अपने बच्चे का एडमीशन कराने स्कूल पहुंच गए। यहां की प्रिंसिपल ने बताया कि स्कूल में 60-80 सीटें ही भरी जानी है। लेकिन अंको के हिसाब से 800 से ज्यादा बच्चों ने लिस्ट में नाम पा लिया है। पर हम पहले आओ पहले पाओ के नियम पर एडमिशन कर रहे हैं। इसी तरह रोहिणी सेक्टर 5 स्थित मांऊट आबू पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल ज्योति अरोडा,के मुताबिक नर्सरी कक्षा की जनरल केटेगरी की 120 सीटों के लिए लिस्ट शुक्रवार को जारी कर दी है। दाखिला प्रोसेस में हेल्प के बतौर काउंसिलर तैनात रहेंगे।वहीं विकास पुरी स्थित ममता मॉडर्न सीनियर सेकेडरी स्कूल प्रधानाचार्य पल्लवी शर्मा के मुताबिक समाधान के लिए दाखिला सेल बनाया है।अगर किसी बच्चे का इस सूची में नाम नहीं आता है तो वह टेंशन ना लें। वेटिंग लिस्ट में एडमिशन का इंतजार करें। जरूरी नहीं कि चयनित उम्मीदवार संबंधित स्कूल में दाखिला लें।ऐसे में वेटिंग लिस्ट के आधार पर दाखिले की संभावना बनी रहती है। स्कूलों के मुताबिक 13-22 जनवरी के बीच पेरेंट्स की सूची संबधी समस्या का समाधान होगा। वहीं 29 जनवरी को चयनित बच्चों की दूसरी लिस्ट जारी होगी। 31जनवरी से 6 फरवरी के बीच पेरेंट्स की सूची संबधी समस्या का समाधान होगा। 8 मार्च को नर्सरी क्लास में एडमिशन प्रोसेस खत्म हो जाएगा। पेरेंट्स को दाखिला संबधी कोई शिकायत है तो वह शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट www.edudel.nic.in पर शिकायत निवारण और निगरानी प्रोसेस के तहत शिकायत कर सकते हैं।

स्वच्छ भारत के नाम से दफ्तर खोलकर दो दोस्तों से 18 लाख हड़पे

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट के गौड़ सिटी सेंटर मॉल में स्वच्छ भारत के नाम से दफ्तर खोलकर मॉल और सोसाइटियों में सफाई का ठेका दिलाने के नाम पर ठगी की गई। आरोपियों ने दो दोस्तों से 18 लाख रुपये हड़प लिए। रुपये मांगने पर दफ्तर बंद कर फरार हो गए। पुलिस ने हैबतपुर निवासी अवनीश शर्मा की शिकायत पर मैनेजिंग डायरेक्टर मूलरूप से पश्चिमी बंगाल निवासी शहर्फुर उर्फ शरीफ समेत राकेश झा, रत्नाकर, विजय व अन्य पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अवनीश का कहना है कि जब वह आरोपियों के दफ्तर में रुपये मांगने जाते थे तो गौतमबुद्ध नगर के अलावा गाजियाबाद के भी कई लोग उनसे रुपये मांगने आते थे। आरोपियों ने बड़ी संख्या में लोगों से ठगी की है। कुछ लोगों ने इस मामले में गाजियाबाद पुलिस से भी शिकायत की है। बिसरख कोतवाली पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर आरोपियों को तलाश किया जा रहा है।

बाइक सवार चोरों ने मछली व्यापारी के बैग से दो लाख रुपये चुराए

साहिबाबाद। टीलामोड़ थाना क्षेत्र के पसौंडा में रविवार रात बाइक सवार दो चोर मछली व्यापारी वाहिद की गाड़ी में रखे बैग से दो लाख रुपये की नकदी लेकर भाग गए। व्यापारी गाड़ी चालक के साथ होटल में बैठकर खाना खा रहे थे। चोरी की सूचना पुलिस को दी। सीसीटीवी कैमरे में दो चोर कैद हुए हैं। पुलिस मुकदमा दर्ज कर चोरों की पहचान कर रही है। लोनी की नसबंदी कालोनी में बंगाली मस्जिद के पास वाहिद मछली व्यापार का काम करते हैं। रविवार रात वह जहांगीरपुरी मंडी से मछली बेचने के बाद घर गए थे। वहां से दो लाख रुपये बैग में लेकर मछली खरीदने गजरौला के लिए निकल गए। इस बीच टाटा 709 के चालक सद्दाम की सीट के पीछे बैग रख दिया। पसौंडा पहुंचने पर दोनों खाना खाने के लिए गिल इन फूड होटल पर रुक गए। इसके बाद वाहिद सीट पर बैग छोड़कर होटल में चले गए। इस बीच बाइक सवार दो चोरों ने टाटा 709 का गेट खोलकर बैग से नकदी लेकर भाग गए। करीब आधे घंटे बाद दोनों गाड़ी के पास पहुंचे तो बैग खाली देखते ही व्यापारी के होश उड़ गए। तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने होटल की सीसीटीवी फुटेज में कब्जे में ली है। एसीपी शालीमार गार्डन सिद्धार्थ गौतम का कहना है कि व्यापारी ने दो लाख रुपये चोरी होने की बात कही है। घटना में चोरों की पहचान के लिए दो टीमें सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही हैं।

बकाया जमा न होने पर काटेंगे सीवर व पानी का कनेक्शन

साहिबाबाद। मोहन नगर जोन में सोमवार को शहीद नगर, भोपूरा, जनकपुरी और राजेंद्र नगर में जोनल प्रभारी आरपी सिंह के नेतृत्व में कर वसूली को लेकर अभियान चलाया गया। इस दौरान एक लाख से ऊपर कुल 10 मकानों की दीवार पर नोटिस चस्पा किया गया। इंस्पेक्टर धनवीर कुमार ने बताया कि बकायेदारों को एक सप्ताह में बकाया राशि जमा करने का समय दिया गया है। इस अवधि में राशि जमा नहीं होने पर मकानों के सीवर और पानी का कनेक्शन काटा जाएगा। इस दौरान पुलिस बल के साथ नगर निगम के कर्मचारी मौजूद रहे।

डिवाइडर से टकराई कार... दो हेड कांस्टेबल की मौत

परिवहन विशेष न्यूज

इंदिरापुरम। वसुंधरा में एलिवेटेड रोड के नीचे रविवार की रात करीब साढ़े ग्यारह बजे इनोवा कार अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर और फिर दो गाड़ियों से टकरा गई। हादसे में इनोवा सवार दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल जय ओम शर्मा (38) और यूपी पुलिस के हेड कांस्टेबल जगबीर सिंह (33) की मौत हो गई। दोनों बिल्डर निखिल चौधरी की सुरक्षा में तैनात थे। दिल्ली के विवेक विहार निवासी निखिल ही कार को चला रहे थे। उन्हें चोट नहीं लगी। वह मौके से भाग गए। इसलिए, पुलिस को उन पर संदेह हो गया। हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

कार के चालक मनोज कुमार हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि निखिल का दफ्तर शालीमार गार्डन में है। वह इंदिरापुरम में परिचित के घर गए थे। वहां से लौटते समय हादसा हुआ। कार में आगे की तरफ निखिल के बराबर में हेड कांस्टेबल जय ओम शर्मा बैठे थे। जगबीर पीछे वाली सीट पर उनके बराबर में बैठे थे।

वसुंधरा चौकी के पीछे इनोवा कार बिल्डर की तरफ से डिवाइडर से टकराई। इसके बाद बैंक्वेट हॉल के बाहर गाड़ियों में घुस गई। जगबीर डिवाइडर और लोहे की ग्रिल में फंस गए। जय ओम शर्मा भी लहूलुहान हो गए। दोनों पुलिसकर्मियों की मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि जय ओम शर्मा का शव गाड़ी में बैंक्वेट हॉल के बाहर जबकि जगबीर सिंह का शव डिवाइडर के पास सड़क पर पड़ा था।

जय ओम शर्मा बागपत के गांव सबगा के निवासी थे जबकि जगबीर आगरा के गढ़ी रामबल गांव के थे। जय ओम शर्मा चार भाइयों में तीसरे नंबर के थे। परिवार में बड़े हरिओम शर्मा, श्रीओम शर्मा और चौथे नंबर के शिव ओम शर्मा हैं। पत्नी

गरिमा और दस साल की बेटी अवि, छह साल का बेटा आयुष उर्फ आदि को पीछे छोड़ गए। छोटा भाई वायुसेना में विंग कमांडर हैं और जैसलमेर राजस्थान में तैनात हैं।

पिता की हत्या के बाद मिली सुरक्षा : निखिल चौधरी के पिता एसपी सिंह की छह साल पहले गोली मारकर हत्या की गई थी। कोर्ट के आदेश पर उन्हें दिल्ली से दो और यूपी से एक सुरक्षाकर्मी मिला था। दिल्ली पुलिस का दूसरा सिपाही हिमांशु नैन रविवार को छुट्टी पर था।

जगबीर के पिता सेवानिवृत्त दरोगा घनश्याम सिंह का सवाल है कि इतनी भीषण दुर्घटना में बिल्डर को खरोंच तक क्यों नहीं आई? हादसे के बाद बिल्डर मौके से भाग क्यों गया? जब चालक मनोज चौधरी मौजूद था तो गाड़ी को बिल्डर खुद क्यों चला रहा था? ओम शर्मा के दादा पुरुषोत्तम शर्मा ने भी हादसे पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना था कि दोनों पुलिसकर्मियों के शव गाड़ी के बाहर क्यों मिले? पुलिस का कहना है कि सभी सवालों के जवाब तलाशे जा रहे हैं। तकनीकी विशेषज्ञों ने घटनास्थल का मुआयना किया है। उनकी रिपोर्ट मिलने का इंतजार है।

कार में मिलीं शराब की बोतलें

पुलिस की जांच के दौरान कार में शराब की बोतलें और गिलास मिले हैं। कार में सवार चार लोगों में से किसी ने भी सीट बेल्ट नहीं लगा रखी थी। यही वजह रही कि टक्कर लगने के बाद कोई भी एयरबैग नहीं खुला। इंदिरापुरम पुलिस का कहना है कि एयरबैग नहीं खुलने पर तकनीकी विशेषज्ञ से इनोवा की जांच कराई जाएगी। दोनों सिपाहियों के शवों का पोस्टमार्टम डॉक्टरों के पैनल ने किया। इसकी वीडियोग्राफी भी हुई। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

घटनास्थल के आसपास की सीसीटीवी फुटेज चेक की जा रही है। बिल्डर निखिल को देर शाम हिरासत में ले लिया गया है। चालक और बिल्डर से पूछताछ की जा रही है। घटनास्थल से फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं। कार का तकनीकी मुआयना कराया जाएगा। परिजनों से जो तहरीर मिलेगी, उसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

- निमिष पाटिल, एसीपी

लोनी में 37 फीसदी प्रसूताओं को नहीं हुआ जननी सुरक्षा का भुगतान

गाजियाबाद। लोनी क्षेत्र में प्रसव के बाद अधिकांश महिलाओं को जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) के तहत दिया जाने वाला भुगतान नहीं मिल पा रहा है। हालांकि, सभी स्वास्थ्य केंद्रों और महिला अस्पताल में प्रसूताओं को भुगतान मिलने में दिक्कत हो रही है, लेकिन सबसे अधिक संख्या लोनी के अस्पतालों में है। जबकि लक्ष्य से अधिक सभी केंद्रों पर प्रसव हो रहे हैं। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने सभी प्रसूताओं का भुगतान कराने का निर्देश सीएमओ को दिया है। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में बताया गया कि लोनी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और संयुक्त अस्पताल में 3192 प्रसव का लक्ष्य था, जबकि 30 नवंबर तक 3411 प्रसव हुए हैं। इनमें 37 प्रतिशत महिलाओं का भुगतान नहीं हो पाया है। सिर्फ 225 प्रसूताओं को भुगतान हो सका है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुरादनगर में सबसे अधिक भुगतान 94.9 फीसदी हुआ है। यहां पर 955 प्रसव हुए थे। भुगतान में 92.6 फीसदी के साथ दूसरे स्थान पर जिला संयुक्त अस्पताल है। यहां पर नवंबर महीने में 933 के लक्ष्य के सापेक्ष 349 प्रसव हुए थे, उनमें से 323 को भुगतान कर दिया गया। जिला महिला अस्पताल में 3979 प्रसव हुए थे, उनमें से 3589 को यानी 90.2 फीसदी भुगतान हुआ है। सीएमओ डॉ. भवतोष शंखधार का कहना है कि प्रसव के तुरंत बाद संबंधित महिला के खाते में धनराशि ट्रांसफर कर दी जाती है। पिछले कुछ दिनों से खाता नंबर सही न मिलने और बैंकों के मर्ज होने की वजह से धनराशि का भुगतान करने में विलंब हो रहा है। सीएमओ का कहना है कि संबंधित सीएमएस और चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिया गया है कि प्रसूताओं के नए बैंक खाते खुलवाकर उनके खाते में भुगतान कराएं।

500 करोड़ से ज्यादा की रकम दबाए बैठी बड़ी कंपनियां

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में राज्यकर विभाग वसूली बढ़ाएगा। विभाग ने ऐसी करीब 40 से ज्यादा फर्मों को चिह्नित किया है जिन्हें आईटीसी क्लेम लेने का अधिकार नहीं हैं, लेकिन ऑनलाइन पोर्टल पर आईटीसी की रकम दर्शायी जा रही है। करीब 500 करोड़ से ज्यादा की रकम ऐसी फर्मों के खातों में पड़ी है। राज्यकर विभाग के अधिकारी अब आईटीसी रिवर्सल के जरिए इस रकम को राज्य सरकार के खातों में जमा कराएंगे।

गाजियाबाद में राज्यकर विभाग के दो जोन हैं। इनमें करीब एक लाख से ज्यादा फर्म पंजीकृत हैं। इनमें बड़ी संख्या में ऐसी फर्म हैं जो ऐसे उत्पादों को बनाती हैं जो या तो करमुक्त हैं या जो कच्चा माल 12 या 18 फीसदी जीएसटी देकर खरीदती हैं, लेकिन उनके फाइनल उत्पाद पर महज पांच फीसदी जीएसटी निर्धारित है। जिन फर्मों के उत्पाद करमुक्त हैं वह आईटीसी क्लेम नहीं कर सकती हैं। ऐसे में 12 या 18 फीसदी जीएसटी देकर कच्चा माल खरीदने के बाद पोर्टल पर उसी दर से आईटीसी दर्शाने लगती हैं, जबकि नियमानुसार वह इसके लिए क्लेम नहीं कर सकते हैं। गाजियाबाद में ऐसी करीब 500 करोड़ से ज्यादा की रकम फर्मों के खातों में हैं जो न तो राज्य सरकार को मिल रही है और न ही फर्म उसे ले सकती हैं।

बीते अक्तूबर माह में राज्य सरकार ने आईटीसी की मद में ऐसी रकम को रिवर्सल के माध्यम से राज्य सरकार के खाते में जमा कराने की गाइडलाइन जारी की थी। इसके बाद राज्यकर विभाग के अधिकारियों ने जोन-एक और जोन दो में करीब 600 करोड़ से ज्यादा की रकम की वसूली कर राज्य सरकार को दी है। राज्य सरकार के अधिकारियों का अनुमान है कि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक करीब 540 करोड़ की वसूली और कर ली जाएगी। इसके लिए सभी सहायक आयुक्तों और उपायुक्तों को निर्देश दिए गए हैं।

एक फर्म से जमा कराई जा चुकी 396 करोड़ की रकम

बीते दो माह में राज्यकर विभाग के जोन-दो की फर्म एचटीडीसी (टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉरपोरेशन) इंडिया लिमिटेड की ओर से 396 करोड़ की रकम आईटीसी रिवर्सल के माध्यम से सरकार के खाते में जमा कराई जा चुकी है। इसके अलावा कई ऐसी बड़ी फर्म हैं जिनसे इस मद में पांच से 25 करोड़ रुपये की रकम जमा कराई जा चुकी है।

उच्चाधिकारियों के निर्देश पर आईटीसी रिवर्सल के माध्यम से फर्मों से रकम सरकार के खाते में जमा कराई जा रही है। अब तक करीब 500 करोड़ से ज्यादा की रकम जमा कराई जा चुकी है। कई अन्य फर्मों को भी चिह्नित किया गया है, उनके प्रबंधन से वार्ता करके आईटीसी रिवर्सल में रकम जमा कराई जाएगी। उम्मीद है कि मार्च-2024 तक इस मद में करीब 500 करोड़ की रकम और जमा करा ली जाएगी। - दिनेश कुमार मिश्रा, अपर आयुक्त (ग्रेड-1), जोन-दोजोन-आठ

पैसों के विवाद में दुकानदार पर हमला करने वाले तीन गिरफ्तार

लोनी। थाना पुलिस ने कपड़ा दुकानदार के भाई पर पैसों के विवाद में ईंट से हमला करने के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। तीनों घटना के बाद से फरार थे। एसीपी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि संगन विहार निवासी पवन पांडेय ने शिकायत दी थी कि तीन लोगों ने कपड़े बेचने में ज्यादा पैसे कमाने के आरोप में भाई पर गाली-गलौज के दौरान हमला कर दिया था। इस बीच सिर में ईंट से वारकर जान से मारने का प्रयास किया। मामले का संज्ञान में लेकर मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपियों की पहचान के बाद गिरफ्तारी के लिए टीम लगी थी। जांच पड़ताल के आधार पर विक्रम राठौर निवासी न्यू विकास नगर, सन्नी निवासी लोनी बॉर्डर और सगर निवासी लोनी को गिरफ्तार किया है।

बुलंदशहर में भू-माफिया की कॉलोनी समेत पांच जगहों पर छापा, 12 गाड़ियों में पहुंचे जांच अधिकारी

बुलंदशहर में अवैध कॉलोनी काटकर प्लॉट बेचने के नाम पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम कार्रवाई कर रही है। फिलहाल, आरोपी सुधीर गोयल, उसकी पत्नी समेत कुल पांच गैंगस्टर जेल में बंद हैं। जिले के कई अन्य व्यापारी और नेता भी जांच के दायरे में हैं।

भू-माफिया सुधीर गोयल की कॉलोनी समेत पांच स्थानों पर प्रवर्तन निदेशायल ने छापा मारा है। नगर स्थित सुधीर के जीजा, एक व्यापारी नेता, एक पत्रकार के ठिकानों पर कार्रवाई चल रही है। ईडी की कार्रवाई अगौता में सुधीर के साथी के घर पर सुबह आठ बजे से चल रही है। 12 गाड़ियों में ईडी की टीम पहुंची है। सुरक्षा के लिए आरएएफ के जवान तैनात है। जिले में 14 अवैध कॉलोनी काटकर प्लॉट बेचने के नाम पर धोखाधड़ी की गई। आरोपी सुधीर गोयल के खिलाफ कुल 14 केस दर्ज हैं। कोतवाली देहात पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट लगाया है। फिलहाल, आरोपी सुधीर गोयल, उसकी पत्नी समेत कुल पांच गैंगस्टर जेल में बंद हैं।

श्रीराम के निमंत्रण को ठुकरा कर कांग्रेस ने राजनीतिक अपरिपक्वता का परिचय दिया है

ललित गर्ग

श्रीराम राज्य तब भी और आज भी राजनीति स्वार्थ से प्रेरित ना होकर प्रजा की भलाई के लिए है। जनता की भलाई एवं आस्था को न देखकर कांग्रेस मुस्लिम एवं ईसाई वोटों को प्रभावित करने के लिये तथाकथित ऐसा निर्णय लिया है, जो उसकी हिन्दू विरोध मानसिकता का द्योतक है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और अधीर रंजन चौधरी एवं इंडिया गठबंधन के अन्य दलों ने शामिल नहीं होने का निर्णय लेकर जहां अपनी राजनीतिक अपरिपक्वता का परिचय दिया है, वहीं भारत के असंख्य लोगों की आस्था एवं विश्वास को भी किनारे करते हुए आराध्य देव भगवान श्रीराम को राजनीतिक रंग देने की कुचेष्ठा की है। भले ही यह भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वर्चस्व का अनुष्ठान है, लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रतिष्ठा देते हुए कांग्रेस को ऐसे राजनीतिक निर्णय लेने से दूर रहते हुए समारोह में भाग लेना चाहिए था। राम मंदिर के निमंत्रण को ठुकराना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और आत्मघाती फैसला है। ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस ने खुद अपनी जमीन को खोखला करने की ठान रखी है। विनाशकाले विपरीत बुद्धि! निश्चित ही कांग्रेस अब भारत की बहुसंख्यक जनता की भावनाओं को नकार रही है, वह राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक वास्तविकताओं और भावनाओं से पूरी तरह से कट गई है। इन दिनों कांग्रेस की ओर से लिए जा रहे हर फैसले भारत विरोधी शक्तियों को बल देने, कुछ वामपंथी चरमपंथियों को बढ़ावा देने, जातीयता एवं साम्प्रदायिकता की राजनीति को कायम रखने और शीर्ष पर बैठे नेताओं के आसपास के कुछ कट्टरपंथी अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए है। कांग्रेस ने पिछले कुछ दशकों में अयोध्या में मंदिर के लिए कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया जो भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकार देने का ही द्योतक है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम केवल हिन्दुओं का ही नहीं बल्कि राष्ट्र का उत्सव है। साथ ही देश के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गौरव का महा-अनुष्ठान है।

बाबर से लेकर औरंगजेब तक सभी मुगल आक्रांताओं ने तलवार के बल पर हिन्दुओं का धर्म परिवर्तन ही नहीं कराया बल्कि हिन्दु मन्दिरों एवं आस्था के केन्द्रों को ध्वस्त किया था। श्रीराम जन्मभूमि, श्रीकृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ धाम को भी नहीं छोड़ा गया और हजारों मंदिरों को ध्वस्त कर उनके स्थान पर मस्जिदें बनवा दीं गयी। आजादी के बाद इस गौरवमय धार्मिक एवं सांस्कृतिक इतिहास को पुनर्निर्मित करने का काम होना चाहिए था लेकिन कांग्रेस शासन ने संकीर्ण एवं स्वार्थ की राजनीति के कारण ऐसा नहीं होने दिया। आज भाजपा अपनी राष्ट्रीय अस्मिता एवं ऐतिहासिक भूलों को सुधारने काम कर रही है तो उसे राजनीतिक रंग देना मानसिक दिवालियापन एवं राष्ट्र-विरोधी सोच है। श्रीराम मंदिर राजनीति का विषय नहीं है बल्कि आस्था का विषय है। आस्था हर व्यक्ति की अस्मिता से जुड़ा प्रश्न है। राम लला साढ़े पांच सौ वर्षों से इसका इंतजार कर रहे थे। अब वह समय आ गया है, भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हो चुका है और आगामी 22 जनवरी का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस दिन राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उपस्थित रहेंगे। श्रीराम भारतीय समाज के आदर्श पुरुष रहे हैं, भारत की राजनीति के लिये वे प्रेरणास्रोत हैं, उन्हें केवल भाजपा या आरएसएस का बताने वाले भारत की जनआस्था से स्वयं को ही दूर कर रहे हैं, स्वयं को हिन्दू विरोधी एवं राम-विरोधी होने का आधार ही मजबूत किया है। अच्छा होता निमंत्रण ठुकराने की बजाय इस समारोह में उपस्थित होकर श्रीराम के प्रति एवं असंख्य लोगों की आस्था का सम्मान करते। इस तरह एक जीवंत परम्परा को झुठलाने एवं ठुकराने के निश्चित ही आत्मघाती दुष्परिणाम होंगे।

श्रीराम राज्य तब भी और आज भी राजनीति स्वार्थ से प्रेरित ना होकर प्रजा की भलाई के लिए है। जनता की भलाई एवं आस्था को न देखकर कांग्रेस मुस्लिम एवं ईसाई वोटों को प्रभावित करने के लिये तथाकथित ऐसा निर्णय लिया है, जो उसकी हिन्दू विरोध मानसिकता का द्योतक है। कांग्रेस ने सदैव श्रीराम मंदिर आंदोलन से दूरी बनाकर रखी, मंदिर निर्माण की प्रक्रिया में रोड़े अटकाए और जिसने सर्वोच्च न्यायालय में यह हलफनामा दिया हो कि श्रीराम का कोई अस्तित्व नहीं है, श्रीराम एक काल्पनिक पात्र हैं, उस कांग्रेस के नेताओं से यह अपेक्षा ही कैसे की जा सकती है कि वे श्रीराम मंदिर निर्माण के महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक प्रसंग में उत्साह, उमंग एवं आनंद के साथ शामिल होंगे? कांग्रेस के इस निर्णय से हिन्दू मन के कांग्रेसी नेता अवश्य ही आश्चर्यचकित एवं दुःखी हैं। कांग्रेस के भीतर से ही कई नेताओं ने खुलकर यह कहने की हिम्मत दिखायी है कि "मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम हमारे आराध्य देव हैं इसलिए यह स्वाभाविक है कि भारतभर में अनगिनत लोगों की आस्था इस

नवनिर्मित मंदिर से वर्षों से जुड़ी हुई है। कांग्रेस के कुछ लोगों को उस खास तरह के बयान से दूरी बनाए रखनी चाहिए और जनभावना का दिल से सम्मान करना चाहिए।'' यहां प्रश्न यह भी है कि जब मंदिर निर्माण को मंजूरी देने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले का कांग्रेस ने स्वागत किया था, तो अब वे इसे केवल भाजपा का पार्टीगत मामला क्यों मान रही है? वास्तव में कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल केवल एक ही तरीके से भाजपा को इससे होने वाले राजनीतिक लाभ को कम कर सकते है और वह तरीका शालीनता से इस समारोह में भाग लेना और इस बात पर जोर देना है कि श्रीराम सभी के हैं, उन पर किसी एक पार्टी या नेता का एकाधिकार नहीं है। लेकिन एक तरफ न्यायिक प्रक्रिया का स्वागत करना और दूसरी तरफ उद्घाटन-समारोह का न्योता ठुकराना अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने वाली रणनीति है। भले ही कांग्रेस ने सारे नफा-नुकसान को देखकर अपनी धर्मनिरपेक्ष वाली वैचारिक छवि के साथ खड़ी रहने का फैसला लिया हो, लेकिन इस फैसले से सन्निकट खड़े लोकसभा चुनाव में उसे भारी नुकसान ही होगा। वैसे भी श्रीराम के बहुप्रतीक्षित धाम का निर्माण भाजपा का अपना निजी प्रोजेक्ट नहीं है, यह सुप्रीम कोर्ट के फैसले की निष्पत्ति है और इसीलिए यह एक गैर-राजनीतिक घटना है। मंदिर-निर्माण की देखरेख के लिए न्यायिक रूप से स्वीकृत ट्रस्ट का गठन किया गया था और वही उद्घाटन-कार्यक्रम की व्यवस्था कर रहा है।

भाजपा को श्रीराम मन्दिर बनने का राजनीतिक फायदा मिलना स्वाभाविक भी है। मंदिर निर्माण का बीड़ा भाजपा-संघ ने दशकों से उठा रखा था। शायद जब आडवाणी ने 1990 में रथ यात्रा शुरू की, तब इसकी प्रेरणा आस्था और राजनीति दोनों रही होगी, क्योंकि पार्टी को 1984 की अपमानजनक हार से उबारने के लिए एक मजबूत भावनात्मक मुद्दे की जरूरत थी। लेकिन आज इस भव्य मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा तब की जा रही है, जब पार्टी बहुमत से सत्ता में है और उसका नेतृत्व नरेंद्र मोदी जैसे करिश्माई नेता कर रहे हैं। यह स्वाभाविक ही है कि इसका लाभ भाजपा को मिलेगा, खासकर तब जब उद्घाटन चुनावों की पूर्व संध्या पर किया जा रहा है। लेकिन कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन दलों के रुख पर ताज्जुब है। वास्तव में कांग्रेस एवं विपक्षी दलों का जोर तो श्रीराम पर भाजपा के बराबर ही दावा करने पर होना चाहिए था। उन्हें पुरजोर तरीके से कहना चाहिए था कि मंदिर-निर्माण उन सभी लोगों की जीत है, जो श्रीराम में विश्वास करते हैं, ताकि उसका श्रेय लेने के भाजपा के उद्देश्य को कमजोर किया जा सके। दार्शनिक एवं राजनीतिक दृष्टि से भी ऐसा करना उचित ही होता। निमंत्रण ठुकराने के निर्णय के बाद कांग्रेस हिन्दुओं की सहानुभूति पूरी तरह खो सकती है। देखना होगा कि 'राम के निमंत्रण' को ठुकराने के कांग्रेस के निर्णय को हिन्दू समाज किस तरह लेता है। बाकी तो 'होई वही जो राम रचि राखा'। विपक्षी गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों के नेता आज भी इस प्रकार के बयान इसलिए दे रहे हैं ताकि श्रीराम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा महाउत्सव में किसी-न-किसी प्रकार का विवाद खड़ा हो जाए। इसी संदर्भ में वे शंकराचार्यों की उपस्थिति एवं अनुपस्थिति को लेकर वितंडावाद खड़ा करने का प्रयत्न कर रहे हैं, लेकिन हिन्दू समाज इन सब बातों को कुतर्क एवं विपक्षी नेताओं की हताशा-निराशा मानकर अनदेखा कर रहा है। हिन्दू आस्था एवं उजालों पर कालिख पोतने एवं उन्हें कमजोर करने की चेष्ठाओं के दिन अब लद चुके हैं, इसलिये कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन के दलों को अपनी राजनीति जमीन को सुदृढ़ करने के लिये अपनी संकीर्ण एवं पुरातन सोच को बदलना चाहिए।

Maruti Suzuki Swift को जल्द मिल सकता है हाइब्रिड इंजन, कंपनी का ये है फ्यूचर प्लान

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी हाइब्रिड तकनीक पर बड़ा दांव लगा रही है और ग्रैंड विटारा और इनविक्टो मॉडल पर अपनी मजबूत हाइब्रिड तकनीक पेश करती है। भले ही यह 2025 में लॉन्च के लिए भारत के लिए एक ईवी तैयार करता है। Maruti Suzuki बेहतर माइलेज के साथ भारतीय कार बाजार में स्विफ्ट हाइब्रिड पेश करने के लिए तैयार है।

नई दिल्ली। भारतीय कार बाजार में लगातार बढ़ रही हाइब्रिड तकनीक की लोकप्रियता का फायदा उठाते हुए देश की पॉपुलर कार निर्माता कंपनी Maruti Suzuki अपनी हाइब्रिड लाइनअप का विस्तार कर सकती है। कंपनी की ओर से संभावित रूप से अगला मॉडल Maruti Suzuki Swift हैचबैक होने वाला है। आइए, इसके बारे में जान लेते हैं।

Swift को मिलेगा हाइब्रिड इंजन

उद्योग जगत से सामने आई मीडियो रिपोर्ट्स के अनुसार Maruti Suzuki बेहतर माइलेज के साथ भारतीय कार बाजार में स्विफ्ट हाइब्रिड पेश करने के लिए तैयार है। नए Z सीरीज इंजन के साथ सुजुकी स्विफ्ट हाइब्रिड को पहले दिसंबर 2023 में जापान में लॉन्च किया गया था।

पावरट्रेन एक नई तरह से विकसित Z12E 1.2-लीटर, 3-सिलेंडर पेट्रोल इंजन को अपनाता है, जो CVT और 48V के साथ 82hp, 108 Nm का उत्पादन करता है।

कंपनी का फ्यूचर प्लान

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी हाइब्रिड तकनीक पर बड़ा दांव लगा रही है और ग्रैंड विटारा और इनविक्टो मॉडल पर अपनी मजबूत हाइब्रिड तकनीक पेश करती है। भले ही यह 2025 में लॉन्च के लिए भारत के लिए एक ईवी तैयार करता है।

मारुति सुजुकी के अनुसार, स्मार्ट हाइब्रिड तकनीक ने ड्राइविंग परफॉरमेंस और फ्यूल एफिशियंशी में सुधार किया है। कंपनी का लक्ष्य स्मार्ट हाइब्रिड तकनीक के साथ एक और कदम आगे बढ़ना है।

2015 में शुरू हुई थी यात्रा

कंपनी की हाइब्रिड यात्रा 2015 में सियाज में पेश किए गए स्मार्ट हाइब्रिड सिस्टम के साथ शुरू हुई थी, MSIL की हाइब्रिड यात्रा में अगला कदम इंटेलिजेंट इलेक्ट्रिक हाइब्रिड सिस्टम था, जो 2022 में लॉन्च ग्रैंड विटारा के साथ शुरू हुआ।

आने वाले दिनों में लॉन्च होंगी ये शानदार बाइक्स, एप्रीला से लेकर यामाहा तक शामिल

2023 in India आने वाले दिनों में कई दमदार बाइक्स भी लॉन्च होने वाली है। इटली की वाहन निर्माता कंपनी Aprilia दिसंबर के महीने में अपनी दमदार बाइक को लॉन्च कर सकती है। इस मोटरसाइकिल को वाहन निर्माता कंपनी ने भारत में हुए Motogp के दौरान अनवील किया था। Kawasaki Eliminator 450 बाइक इस महीने के अंत में लॉन्च हो सकती है।

नई दिल्ली। Upcoming Bikes in December 2023 in India: भारतीय बाजार में टू-व्हीलर की डिमांड दिन पर दिन काफी तेजी से बढ़ते जा रही है। आपकी जानकारी के लिए बता दें, आने वाले दिनों में कई दमदार बाइक्स भी लॉन्च होने वाली है। अगर आप अपने लिए एक नई बाइक खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो ये खबर आपके काम आने वाली है। चलिए आपको इन बाइक्स के बारे में बताते हैं।

Aprilia RS 457

इटली की वाहन निर्माता कंपनी Aprilia दिसंबर के महीने में अपनी दमदार बाइक को लॉन्च कर सकती है। इस मोटरसाइकिल को वाहन निर्माता कंपनी ने भारत में हुए Motogp के दौरान अनवील किया था और अब ये इस महीने ही लॉन्च हो सकती है। इस बाइक में 457 सीसी का इंजन मिलता है। ये एक सुपर बाइक है। इसमें लिक्विड कूल्ड ट्विन सिलेंडर इंजन मिलेगा। जो 35 किलो वाट की पावर जनरेट करेगी।

Kawasaki Eliminator 450

ये बाइक इस महीने के अंत में लॉन्च हो सकती है। इस मोटरसाइकिल में 451 सीसी का इंजन मिलता है। वहीं इस बाइक को इस साल की शुरुआत में ही ग्लोबल स्तर पर लॉन्च किया गया था। अब ये भारत में भी लॉन्च हो सकती है। ये एक क्रूजर बाइक है। आपको बता दें, इसे कंपनी इंडिया बाइक वीक 2023 में लॉन्च कर सकती है।

Yamaha R3

Yamaha R3 एक दमदार और पॉपुलर बाइक में से एक है। इस बाइक को वाहन निर्माता कंपनी इसी साल लॉन्च कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये बाइक 15 दिसंबर को लॉन्च हो सकती है। इसमें 321 सीसी का पावरफुल ट्विन मोटर इंजन मिलता है।

Yamaha MT-03

यामाहा अपनी इस सीरीज को भारत में लॉन्च करेगी। इस बाइक को साल के अंत में लॉन्च किया जा सकता है। इस मोटरसाइकिल की शुरुआती कीमत 3 लाख रुपये के आस-पास हो सकती है। इस बाइक के फ्रंट और रियर में डिस्क ब्रेक मिलेगा। इसमें 14 लीटर का फ्यूल टैंक मिल सकता है। इस बाइक का वजन 169 किलोग्राम होगा।

महिंद्रा स्कॉरपियो-N के डीजल वेरिएंट में ऐसा क्या कुछ खास की बढ़ी सेल, कीमत 13.26 लाख रुपये से शुरू

Mahindra Scorpio N total sale November 2023 Mahindra Scorpio-N के डीजल वेरिएंट के फीचर्स और इंजन के बारे में बताने जा रहे हैं कि आखिर किन कारण से ये लोगों के बीच इतनी लोकप्रिय है। इस कार के माइलेज की बात करें तो इसके ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ पेट्रोल की माइलेज 10.14 किमी प्रति लीटर है जबकि डीजल वेरिएंट का माइलेज 12.73 किमी प्रति लीटर है।

नई दिल्ली। इंडियन मार्केट में महिंद्रा कई दमदार एसयूवी को लॉन्च कर चुकी है। मार्केट में इसकी सबसे लोकप्रिय एसयूवी में से एक Mahindra Scorpio-N है। इस कार की डिमांड काफी अधिक है। हालांकि लोगों के इसके पेट्रोल से अधिक डीजल वेरिएंट पसंद आ रहा है। आज हम आपको इस खबर के माध्यम से Mahindra Scorpio-N के डीजल वेरिएंट के फीचर्स और इंजन के बारे में बताने जा रहे हैं कि आखिर किन कारण से ये लोगों के बीच इतनी लोकप्रिय है।

Mahindra Scorpio-N

इस कार के माइलेज की बात करें तो इसके ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ पेट्रोल की माइलेज 10.14 किमी प्रति लीटर है, जबकि डीजल वेरिएंट का माइलेज 12.73 किमी प्रति लीटर है। वहीं माइलेज के अलावा इस कार के डीजल वेरिएंट से आप आराम से यात्रा कर सकते हैं। पेट्रोल के मुकाबले डीजल वेरिएंट अधिक टॉर्क जनरेट करता है। इस कार की रीसेल वैल्यू भी काफी अच्छी है। ऑफ रोडिंग के लिए इसे अधिक पसंद किया जाता है। ये 4X4 ऑप्शन के साथ आती है।

Mahindra Scorpio-N कीमत

भारतीय बाजार में Mahindra Scorpio-N की एक्स शोरूम कीमत 13.26 लाख रुपये से 24.54 लाख रुपये के बीच है। इस एसयूवी में 6 और 7 सीटर का ऑप्शन मिलता है। इसमें 2.2 लीटर डीजल इंजन का ऑप्शन भी मिलता है। जो 132 पीएस/300 एनएम और 175 पीएस (370 एनएम और 400 एनएम) से लैस है।

Mahindra Scorpio-N इंजन और पावर

इसके अलावा इस एसयूवी में 2 लीटर का टर्बो इंजन मिलता है। जो 203 पीएस की पावर और 380 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 2WD (टू व्हील ड्राइव) 4WD (फोर व्हील ड्राइव) तकनीक के साथ 6-स्पीड मैनुअल/6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का भी ऑप्शन मिलता है।

Mahindra Scorpio-N फीचर्स

इस कार में फीचर्स के तौर पर 8-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, क्रूज़ कंट्रोल, फ्रंट और रियर कैमरा, वायरलेस फोन चार्जिंग,6 एयरबैग, एबीएस (एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम), टीपीएमएस (टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम) मिलता है।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय फिर चर्चा में

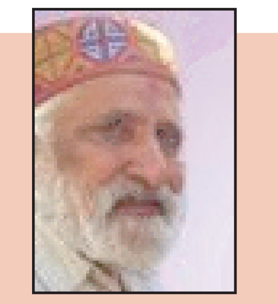

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

संविधान के समय कुछ सदस्यों ने यह मांग की कि प्रस्तावना, जो संविधान की आत्मा का परिचायक है, में भारत एक सेक्युलर देश है, भी लिखा जाए। लेकिन संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष इसके विरोध में डट गए।

उच्चतम न्यायालय की बैंच इस बात पर विचार करेगी कि क्या यह विश्वविद्यालय अल्पसंख्यक संस्थान है या नहीं'

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय एक बार फिर चर्चा में आ गया है। विश्वविद्यालय की पहचान और इसकी वैधानिक स्थिति को लेकर इस विश्वविद्यालय की चर्चा बार-बार होती ही रहती है। दरअसल यह विश्वविद्यालय अपने जन्म काल से ही चर्चा में है। 1857 की आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों ने अनेक सबक सीखे थे और उसके अनुरूप भारत को लेकर अपनी नीति और रणनीति दोनों को ही बदला। इस लड़ाई में भारत के देसी मुसलमान अंग्रेजों के विपक्ष में खड़े थे। इसलिए अंग्रेजों को ऐसे मुसलमानों की तलाश थी, जो विदेशी मूल के हों और भारत के देसी मुसलमानों को अपने पिछलग्गू बना कर उनका नेतृत्व संभाल सकें। इसके लिए अंग्रेज हुक्मरानों ने अनेक उपाय किए जिनमें से अलीगढ़ में एक शिक्षा संस्थान की स्थापना भी एक था। अरब मूल के सैयद अहमद खान अंग्रेजों की इस योजना के नायक बने और उन्होंने अलीगढ़ में जो स्कूल खोला था, ब्रिटिश सरकार ने कुछ साल बाद उसे अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के रूप में अधिनियमित कर दिया। ब्रिटिश सरकार ने सैयद साहिब को भी 'सर' की उपाधि देकर उसका रुतबा बढ़ाया। इतिहास के विद्यार्थी जानते हैं कि भारत के विभाजन में, भारतीयों में हिंदू-मुसलमान का विवाद पैदा करने में इस विश्वविद्यालय का अग्रणी स्थान रहा। यही कारण था कि अंग्रेजों के चले जाने के बाद यह मांग की गई थी कि साम्प्रदायिकता की इस जड़ को समाप्त किया जाए। लेकिन तत्कालीन सरकार ने इसे स्वीकार नहीं किया। बात आई-गई हो गई। उसके बाद भारत का संविधान बना।

संविधान के समय कुछ सदस्यों ने यह मांग की कि प्रस्तावना, जो संविधान की आत्मा का परिचायक है, में भारत एक सेक्युलर देश है, भी लिखा जाए। लेकिन संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष इसके विरोध में डट गए। उनका मानना था कि भारतीय स्वभाव से ही सेक्युलर हैं। लेकिन अंग्रेजी में लिखे जा रहे संविधान में सेक्युलर का अर्थ गलत निकाला जाएगा और यह साम्प्रदायिकता को बढ़ावा देगा। बाबा साहिब अंबेडकर ने इसके बजाय भारत में जो समुदाय अपने आपको मजहब के आधार पर अल्पसंख्यक मानते हैं, उनको अधिकार दिया कि वे अपने अलग से शिक्षा संस्थान खोल सकते हैं और वहां अपने मजहब की शिक्षा भी दे सकते हैं। लेकिन आपात स्थिति का लाभ उठाकर उस समय कांग्रेस ने संविधान की प्रस्तावना में ही सेक्युलर शब्द जोड़ दिया। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, जो भारत सरकार का शिक्षा संस्थान है, को लेकर मुसलमानों ने हल्ला मचाना शुरू कर दिया। हल्ला मचाने वालों में देसी मुसलमान कम थे, अरब-तुर्क-मुगल (एटीएम) मूल के मुसलमान यानी अशरफ समाज के मुसलमान ज्यादा थे। उन्होंने दावा किया कि यह शिक्षा संस्थान अल्पसंख्यक शिक्षा संस्थान है और भारत का मुसलमान अल्पसंख्यकों को अपना शिक्षा संस्थान अपनी मर्जी से चलाने का अधिकार देता है। इसलिए इस विश्वविद्यालय ने अपने यहां अनुसूचित जातियों के छात्रों के लिए सीटें आरक्षित करने से इंकार कर दिया। इसी प्रकार प्राध्यापक भर्ती में भी अनुसूचित जाति के प्रत्याशियों के लिए सीटें आरक्षित करने से इंकार कर दिया। मुसलमानों का कहना था कि यह संस्थान अल्पसंख्यक संस्थान है, इसलिए भारत सरकार विश्वविद्यालय को बाध्य नहीं कर सकती कि वह अनुसूचित जाति के लोगों को अपने यहां आरक्षण दे। कुछ लोगों ने समझाया भी कि नाम में मुसलमान लिख देने मात्र से ही कोई शिक्षा संस्थान अल्पसंख्यक नहीं बन जाता। न ही यह विश्वविद्यालय मुसलमानों द्वारा संचालित है। यह विश्वविद्यालय संसद के अधिनियम से संचालित है। इसका वित्त भार भी देश की आम जनता के पैसे से चलता है।

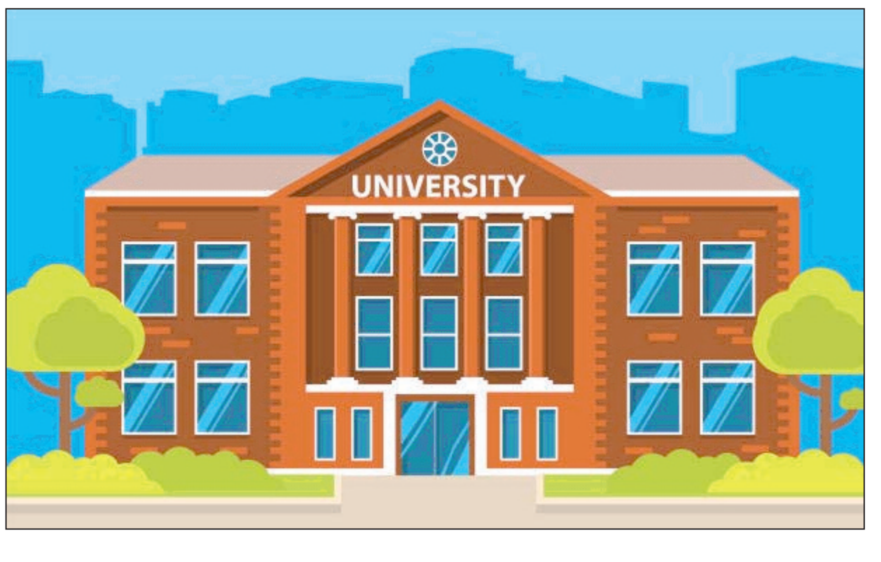

यह केन्द्रीय सरकार का संस्थान है। लेकिन इसका कोई असर दिखाई नहीं दिया, उल्टा विश्वविद्यालय के मुसलमान छात्र इस बात पर अड़े रहे कि विश्वविद्यालय में पाकिस्तान के कायदे आजम मोहम्मद अली जिन्ना का चित्र लगेगा, जो अब भी लगा हुआ है। जाहिर है इससे अनुसूचित जाति के छात्रों और शिक्षकों में रोष पैदा होता। उनके समर्थक भी गुस्से में आते। कोई और रास्ता न देख कर देश के कुछ प्रबुद्ध लोगों ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दी कि पहले यही फैसला हो जाए कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अल्पसंख्यक संस्थान है या फिर केन्द्र सरकार के अन्य विश्वविद्यालयों की तरह ही है, और उसमें भी अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण के प्रावधानों को लागू करना अनिवार्य है? मामला उच्च न्यायालय में देर तक चला। अंततः न्यायालय ने निर्णय दिया कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय मुसलमानों का अल्पसंख्यक संस्थान नहीं है। जाहिर है अब इस विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति के लोगों से अन्याय नहीं किया जा सकेगा। लेकिन कांग्रेस ने इससे पहले ही निर्णय कर लिया था कि न्यायालयों के इस प्रकार के फैसलों से कैसे निपटना है। इसकी शुरुआत उसने शाह बानो के केस में ही कर दी थी, जब शाहबानो उच्चतम न्यायालय से अपने शौहर से गुजारा भत्ता पाने का केस जीत चुकी थी। कांग्रेस सरकार ने उस फैसले को निरस्त करने के लिए बाकायदा संसद में कानून पारित कर सैयदों के हाथ मजबूत किए और अशरफ समाज से वाहवाही लूटी। यही काम उसने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्णय के मामले में किया। अब की बार फिर अशरफों ने कांग्रेस सरकार को पकड़ा और मनमोहन सिंह की सरकार ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी। केवल इतना ही नहीं, सरकार ने यह फैसला भी किया कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की शाखाएं देश के अन्य हिस्सों में भी खोली जाएंगी। बिहार के किशनगंज में तो इसकी तैयारी भी शुरू कर दी। लेकिन देश का अनुसूचित जाति समूह और पसमांदा/अलजाफ/अरजाल समूह भी इस निर्णय से गुस्से में था। अब सरकार ने जन भावनाओं का सम्मान करते हुए इलाहाबाद न्यायालय के फैसले के खिलाफ डाली अपनी अपील वापस लेने की अर्जी उच्चतम न्यायालय में डाल दी।

उच्चतम न्यायालय ने सात न्यायाधीशों की बैंच का गठन कर दिया है जो इस बात पर विचार करेगी कि क्या अलीगढ़ का यह विश्वविद्यालय अल्पसंख्यक संस्थान है या नहीं? निर्णय किया होगा, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन अनुसूचित जाति समुदाय का मानना है कि कम से कम किसी ने उनके हितों की ओर ध्यान तो दिया। दूसरा मामला स्मृति ईरानी के नेतृत्व में सऊदी अरब के आधिकारिक दौरे पर गए एक भारतीय शिष्टमंडल का है। यह शिष्टमंडल सऊदी अरब में यह देखने के लिए गया था कि भारत से जो मुसलमान वहां हज करने जाते हैं, उनकी सुख-सुविधा की क्या व्यवस्था है। इसी प्रकार शिष्टमंडल को कुछ दूसरे मुद्दों पर भी वहां की सरकार से बातचीत करनी थी। वहां की सरकार ने शिष्टमंडल को मदीना जाकर भी स्वयं सुविधाओं का मूल्यांकन करने में बेहतरीन सहायता मुहैया करवाई। शिष्टमंडल के सदस्यों ने वहां की ऐतिहासिक तीर्थ स्थल की इमारतों को भी देखा। सऊदी अरब सरकार तो शिष्टमंडल के इस दौरे से काफी उत्साहित है। लेकिन इधर पाकिस्तान सरकार बहुत गुस्से में है। उसका कहना है कि मदीना में गैर मुसलमानों को लाकर सऊदी अरब सरकार ने इस्लाम की बेअदबी की है। ध्यान में रहे कि इस्लाम अरब में ही पैदा हुआ था और हजरत मोहम्मद अरब मूल के ही थे। कुरान शरीफ भी अरबी भाषा में ही लिखा गया है। लेकिन अब पाकिस्तान का मानना है कि इन अरबों ने इस्लाम की बेअदबी की है। 1947 में जब पाकिस्तान बना था तो पाकिस्तान सरकार ने इस्लाम को लेकर धड़ाधड़ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन करने शुरू कर दिए। तब मिस्र के राष्ट्रपति ने व्यंग्य में कहा था कि पाकिस्तान की हरकतों से तो लगता है कि इस्लाम 1947 में पाकिस्तान में ही पैदा हुआ था। नया बना मुसलमान अल्लाह अल्लाह ज्यादा करता है। लगता है पाकिस्तान अभी इस भ्रम से बाहर नहीं निकला है। वह निकल भी नहीं सकता, क्योंकि यही भ्रम उसके अस्तित्व का कारण है।

संपादक की कलम से

स्पीकर का सवालिया फैसला

महाराष्ट्र के विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने विधायकों को अयोग्य करार देने की याचिकाओं पर फैसला सुनाने में 18 माह से अधिक का वक्त लिया, फिर भी व्यवस्था सवालिया है। स्पीकर यह व्याख्या करते रहे कि 'असली शिवसेना' कौन-सी है? उसका नेता कौन है? पार्टी का कौन-सा संविधान मान्य है? उद्धव ठाकरे की शक्तियां क्या थीं? शिवसेना में पार्टी प्रमुख से ताकतवर राष्ट्रीय कार्यकारिणी है। शिवसेना पर फैसला तो चुनाव आयोग सुना चुका था। पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न 'धनुष-बाण' एकनाथ शिंदे की सेना को आवंटित किए जा चुके थे, लेकिन सर्वोच्च अदालत के सवाल कुछ और ही थे। चूंकि स्पीकर ने व्यवस्था दी है कि शिंदे गुट ही 'असली शिवसेना' है। शिंदे को विधायक दल के नेता पद से हटाने का अधिकार उद्धव ठाकरे को नहीं था। पार्टी प्रमुख की इच्छा और निर्णय राष्ट्रीय कार्यकारिणी के नहीं थे। स्पीकर ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व को ही संवैधानिक नहीं माना। शिवसेना संविधान में 2018 में जो संशोधन किए गए थे, उन्हें भी मान्यता नहीं दी, क्योंकि वह दस्तावेज चुनाव आयोग में उपलब्ध नहीं था। यहां महत्त्वपूर्ण सवाल उठता है कि 2019 के आम चुनाव और फिर विधानसभा चुनाव के लिए जो पार्टी प्रत्याशी पत्र जारी किए गए और जिन्हें चुनाव आयोग ने स्वीकार भी किया, उन पर किसके हस्ताक्षर थे? यहां उद्धव ठाकरे 'संवैधानिक' कैसे हो सकते हैं? संविधान पर चुनाव आयोग और स्पीकर को स्पष्टीकरण देने चाहिए, क्योंकि यह संविधान से जुड़ा मामला है। स्पीकर नार्वेकर ने अपनी व्यवस्था का आधार 1999 के शिवसेना संविधान को बनाया है, जिसमें तत्कालीन पक्ष प्रमुख बाल ठाकरे ने पार्टी प्रमुख के बजाय राष्ट्रीय कार्यकारिणी के वर्चस्व को स्थापित किया था।

सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ का भी मानना है कि विधायक दल से ज्यादा महत्त्वपूर्ण और ताकतवर पार्टी का संगठन होता है, क्योंकि वह ही मूल है। राजनीतिक शाखाएं कई हो सकती हैं। बहरहाल 2024 में 1999 का पार्टी संविधान पूर्णतः प्रासंगिक नहीं हो सकता, क्योंकि उसके बाद 2004, 2009 और 2014 के लोकसभा चुनाव हुए हैं। विधानसभा चुनाव भी हुए हैं। यदि संविधान में संशोधन नहीं किए गए और शिवसेना में संगठनात्मक चुनाव भी नहीं कराए गए, तो बहुत कुछ वैध नहीं था। बल्कि सवालिया ही था। प्रत्याशी पत्रों पर हस्ताक्षर के सवाल भी लगातार उठेंगे। स्पीकर के निर्णय के बाद कई कानूनी चुनौतियां सामने आएंगी। हालांकि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सत्ता सुरक्षित और स्थिर है। स्पीकर ने किसी भी पक्ष के विधायकों को 'अयोग्य' करार नहीं दिया है, लेकिन शिंदे सेना को अभी जश्न मनाने से परहेज करना चाहिए, क्योंकि उद्धव ठाकरे ने साफ कहा है कि स्पीकर के फैसले को सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी जाएगी। चूंकि वह इस फैसले को लोकतंत्र, संविधान और 10वीं अनुसूची की हत्या मानते हैं, लिहाजा सर्वोच्च अदालत की समीक्षा चाहेंगे। स्पीकर के सामने एक और विवादास्पद मामला है कि उन्हें 31 जनवरी तक एनसीपी के विभाजन पर भी व्यवस्था देनी है। एनसीपी के 40 से अधिक विधायक सत्तारूढ़ एनडीए के घटक हैं। उपमुख्यमंत्री अजित पवार उनके नेता हैं। महाराष्ट्र का राजनीतिक घमासान अभी जारी रहेगा और लोकसभा चुनाव करीब तीन माह दूर ही हैं। इसी साल विधानसभा चुनाव भी होने हैं। शिंदे सेना की मुसीबतें समाप्त होती नहीं लगतीं। बल्कि गठबंधन के भीतर से ही मुसीबतें झांकती नजर आएंगी। भाजपा बहुत बड़ी पार्टी है। विकल्प के तौर पर उसके पास अजित पवार का गुट है, जो महाराष्ट्र में भिन्न इलाके भाजपा को दिखा सकता है। भाजपा उन इलाकों में अपेक्षाकृत कमजोर रही है। बहुत कुछ आम चुनाव से पहले ही स्पष्ट हो जाएगा।

राय

हिमाचली लैब में आपदा

चांद को धरती पर लाने की मशक्कत में, सूरज के कदम भी रूठ के गुम हो गए। कुछ इसी तरह की नसीहतों में हिमाचल के सरकारी अस्पतालों की कंगाली उभर आई। जिस जोर शोर से अस्पतालों में 142 टेस्ट मुफ्त में कराने की घोषणा हुई, उसी तरह के मातम में इनके बंद होने की खबर है। कारण असाधारण नहीं, लेकिन कहना पड़ेगा कि रेवडियों ने मुफ्तखोरी को तगड़ा सबक सिखा दिया। हिमाचल के अस्पतालों मुफ्तखोरी के कोरिडोर सजा कर जो भी साधुवाद बटोरा, वह अंततः भौंडा व बेमुरब्बत साबित हुआ। एक ही दिन में कुल 650 अस्पतालों की मुफ्त की लैब मैनेजमेंट धराशायी हो गई और दस हजार मरीज मुफ्तखोरी के तकियाकलाम में अपनी बीमारी का औचित्य खोजते रहे। कल फिर जागीं निजी लैब, वरना इस आपातकाल की स्थिति का कोई वारिस भी नहीं मिलता। प्रदेश में क्रसना लैब अपने अठारह सौ कर्मचारियों के बलबूते हिमाचल की सेहत का निरीक्षण कर रही थी, लेकिन आवश्यक भुगतान न होने के चलते शटर बंद हो गए। कितना आसान है किसी कंपनी के लिए अपने फर्ज को अलविदा कहना और कितना हराम है मुफ्त की रेवड़ी को हर समय पचाना। जाहिर है बुधवार को सारा स्वास्थ्य सिस्टम घुटनों पर आ गया, लेकिन सरकार की ओर से न आपात की स्थिति को संबोधित करते मंत्री दिखे और न ही कोई विकल्प सामने आया। यह इसलिए कि मुफ्त की कोई तिजोरी नहीं होती, यह वक्त की चोरी है जो जिंदा नहीं होती। एक दिन टेस्ट व्यवस्था का ठप होना हजारों जिंदगियों से खेलना भी हो सकता है। दूसरे सरकार की व्यवस्था का निजी हाथों में मुलाजिम होना भी स्थायी उपाय नहीं। इससे पहले भी एक अन्य कंपनी का करार जब टूटा था, तो सरकार का सारा तिलिस्म धड़ाम हुआ था।

यह सारा तामझाम नेशनल हैल्थ मिशन के तहत हिमाचल के स्वास्थ्य क्षेत्र को सहारा दे रहा था, लेकिन फंडिंग की श्रृंखला जब दिल्ली से टूटी या इंतजाम का वादा छोटा कर दिया, तो टेस्टों के बदले कंपनी को भुगतान करती तश्तरी में वित्तीय मजबूरियां उभर आईं। हम अब एक ऐसे देश में रहते हैं, जहां देश का मूड चुनाव है। वरना अस्सी-पचासी करोड़ नागरिकों को मुफ्त का अनाज देने की संगत में चिकित्सा की मन्नत यूं नजरअंदाज नहीं होती। विडंबना यह कि अब इनसान की आधारभूत जरूरतों के आगे भी सियासी भूत नचाए जा रहे हैं। यह आश्वासन और वादों की कटौती है जो केंद्र के आचरण में भेदभाव के कीड़ों को जन्म दे रही है। जाहिर है वित्तीय असमंजस में फंसे राज्य के लिए केंद्र के पैमानों का रूठ जाना, ऐसा प्रहार है जो अब मरीजों की जिंदगी से भी खेल रहा है। प्रथम दृष्टया लैब सिस्टम का ध्वस्त होना, राज्य सरकार पर तोहमत लगाता है क्योंकि इसी मंडे मीटिंग में जब मुख्यमंत्री प्रदेश के भविष्य से बातें कर रहे थे, तो किसी ने यह क्यों नहीं बताया कि जख्म अस्पतालों में उभर रहे हैं। सरकार के वजूद से चिपके चिकित्सा मंत्री महोदय जनता को बताएं कि उनके दायित्व में 650 अस्पताल क्यों अनाथ हो गए। आश्चर्य यह भी कि हम बड़े-बड़े चिकित्सा संस्थानों की पैरवी में मशगूल हैं, लेकिन सामान्य सी सेवाएं प्रदान करने में अक्षम हैं। हम पर्यटन के आंकड़े में पांच करोड़ सैलानियों का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन सरकारी होटलों में सूना पड़ा है। बहरहाल हर विभाग की जिम्मेदारी ओढ़ रहे मंत्री सुनिश्चित करें कि प्रदेश को सही ढंग से चलाना और वित्तीय व्यवस्था में खुद को बचाना कितना आवश्यक है।

लाडलों के सहारे सिसकती बुढ़ापे की सांसें

जिंदगी के चार पड़ाव होते हैं तथा ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास जैसे पड़ावों से गुजरना ही पड़ेगा। संन्यास वाली अवस्था वह अवस्था है जिसमें सांसारिक वृत्तियों से विरक्त होकर आगामी जीवन की ओर जीने के लिए उस प्रभु परमेश्वर की तरफ अपना ध्यान केन्द्रित करना चाहिए'

कहते हैं कि जब बच्चा रोता है तो पूरी बिल्डिंग को पता चलता है, मगर जब मां-बाप रोते हैं तो साथ वालों को भी पता नहीं चलता। यह जिंदगी का कड़वा सच व सच्चाई है। हजारों मुश्किलें सहकर मां-बाप अपने बच्चों को कामयाब करते हैं और एक दिन वे ही कामयाब बच्चे अपने मां-बाप को तन्हा छोडक़र चले जाते हैं। यह भी देखा गया है कि कुछ बच्चे तो मां-बाप के मरने पर भी नहीं पहुंचते तथा कई प्रकार के बहाने बनाकर दाह संस्कार पर भी नहीं पहुंचते। सैकड़ों में कुछ ही पुत्रवधुएं होंगी जो अपने सास-सुसर का मन से सम्मान करती हैं अन्यथा अधिकतर तो उन्हें बोझ ही समझती हैं। कभी उन्होंने सोचा कि जिस मां-बाप ने अपना सब कुछ उनके लिए न्योछावर कर दिया, आज वो रोटी के लिए भी मोहताज हैं। कई बदनसीब तो वृद्ध आश्रमों में रहकर अपनी अंतिम सांसें गिन रहे होते हैं और अन्य कई तो घर में अपने लाडलों का अंतिम सांसों तक इंतजार करते-करते अपना दम तोड़ देते हैं। सरकार ने माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण व कल्याण के लिए वर्ष 2007 में एक अधिनियम भी बनाया जिसमें समय-समय पर संशोधन भी किए गए हैं। इसके अंतर्गत बुजुर्गों के शोषण को रोकने के लिए विशेष ट्रिब्यूनल (न्यायाधिकरण) बनाए गए हैं।

इस एक्ट के अंतर्गत 60 वर्ष व 80 वर्ष के ऊपर वाले वरिष्ठ नागरिकों व माता-पिता के शोषण के विरुद्ध क्रमशः 90 दिन व 60 दिन के अंतर्गत न्यायाधिकरणों को संज्ञान लेकर फैसला करना होगा। दोषी संतानों को न केवल जुर्माना, बल्कि एक मास तक सजा दिए जाने का प्रावधान भी है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक पुलिस स्टेशन में विशेष पुलिस यूनिट का गठन करना भी आवश्यक है तथा राज्यों को इस संबंध में हेल्पलाइन बनाने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं। मगर ऐसे संवेदनशील मामलों को सुलझाने के लिए ऐसे एक्ट कोई ज्यादा कारगर सिद्ध नहीं हो पा रहे हैं, क्योंकि बूढ़े मां-बाप अपने विचलित व कत्तव्य-विमुख बच्चों के विरुद्ध कोई भी कार्रवाई नहीं करवाना चाहते। यहां पर इस उक्ति का उल्लेख करना सारगर्भित होगा : एक बार एक प्रेमिका ने अपने प्रेमी से शादी करने के लिए शर्त लगा दी कि वह उसके साथ शादी तभी करेगी जब वह अपनी मां का कलेजा निकालकर लाएगा। प्रेमी ने अपनी प्रेमिका की संतुष्टि के लिए अपनी मां का कलेजा निकाला और ले जाते समय उसे ठोकर लगी और चोटिल हो गया। मां की ममता की आवाज उसके कानों में यही शब्द कहती हुई पाई गई, 'बेटा उठ, कहीं चोट तो नहीं लगी।' मां-बाप की बच्चों के प्रति सहानुभूति, लाड-प्यार व मां की ममता की कोई तुलना नहीं की जा सकती। वो तो बच्चों के लिए अपनी जान भी कुर्बान करने के लिए तैयार रहते हैं, मगर कृतघनता की पराकाष्ठा को लाघंते हुए आजकल के बहुत से युवा-लाडले अपने आदरणीय माता-पिता की अवहेलना व तिरस्कार करते हुए पाए जा रहे हैं। इन अटूट व संवेदनशील संबंधों को सुदृढ़ बनाने के लिए बच्चों व माता-पिता तथा बुजुर्गों को निम्नलिखित आचरण पर चलने की सलाह दी जाती है : 1. बच्चों को अधिक से अधिक समय अपने माता-पिता के साथ व्यतीत करना चाहिए तथा उनके अहसानों को कभी भी नहीं भूलना चाहिए। जो व्यक्ति आपके मल मूत्र को साफ करते थे, उनके प्रति जिम्मेदारियां समझनी चाहिए। 2. उनकी आत्मा व हृदय को मन, वचन, कर्म और धर्म से किसी भी प्रकार की चोट नहीं पहुंचानी चाहिए। 3. उनसे ऊंची आवाज में बात न करें तथा उनकी कभी भी बुराई नहीं करनी चाहिए, और न ही किसी अन्य सदस्य को करने दें। 4. अपने मन को नियंत्रण में रखते हुए उनकी हर अच्छी व बुरी आदत का सत्कार करें। 5. न ही अपनी पत्नी को अपने माता-पिता के सामने और न ही माता-पिता को पत्नी के सामने डांटें। 6. पत्नी व माता-पिता में समन्वय बनाने की कोशिश करें और अपना रोल एक जानदार व्यक्ति के रूप में निभाएं। 7. उनके अनुभव और दुनियादारी की समझ की सीख को दबाव नहीं समझना चाहिए। 8. चाणक्य की इस उक्ति को कभी मत भूलें कि पृथ्वी से भारी तथा आसमान से ऊंचा माता एवं पिता की ममता व स्नेह होता है। जहां एक तरफ बच्चों के अपने माता-पिता के प्रति कुछ कत्तव्य हैं, वहीं दूसरी तरफ मां-बाप को भी अपने बच्चों के प्रति अपनी परपक्व जिम्मेदारी समझनी चाहिए।

1. जब तक जिंदा हैं, आत्मनिर्भर रहने का प्रयास करें तथा किसी पर निर्भर रहने की आदत को कम करें।
2. बच्चों से ज्यादा उम्मीद न लगाएं क्योंकि वे अपनी जिंदगी में बच्चों के कारण वैसे ही बहुत व्यस्त होते हैं। बिना वजह की दखलअंदाजी न करें।
3. इच्छा रहित बनें तथा लोभ, लिप्सा व वासना से दूर रहें।
4. अधिकार की प्रकृति को कम करें तथा किसी बिना वजह से निंदा न करें। पैसा कमाते-कमाते बुढ़ापा भी गुजर जाएगा तथा आखिर में समझ आएगा कि जो कमाया वह किसी भी काम का नहीं है। जो पुण्य किया उसी का लाभ होगा। बुढ़ापे में चिंतामुक्त होकर अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण करें। गीता में लिखा है कि जिसका जन्म हुआ है, उसकी मृत्यु भी निश्चित है तथा पुनर्जन्म भी निश्चित होता है। इसलिए दिल-दिमाग को चुस्त-दरुस्त रखते हुए स्वस्थ जीवन व्यतीत करें। हमारा जीवन विधाता की दी हुई एक अनमोल भेंट है। कहते हैं कि 84 लाख योनियों में मानव शरीर सबसे बड़ी उपलब्धि है तथा हमारी कोशिश होनी चाहिए कि हम इस जीवन को भरपूर आनंद के साथ जीएं। कहा भी गया है कि 'जिंदगी अपने दम पर ही जी जाती है, दूसरों के कन्धों पर तो सिर्फ जनाजे उठाए जाते हैं।' जिंदगी तो एक प्यार का गीत है जिसे हर दिल को गाना पड़ेगा। इसी तरह जिंदगी एक गम का सागर भी है तथा हंसकर उस पार जाना ही पड़ेगा। जिंदगी के चार पड़ाव होते हैं तथा ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास जैसे पड़ावों से गुजरना ही पड़ेगा। संन्यास वाली अवस्था वह अवस्था है जिसमें सांसारिक वृत्तियों से विरक्त होकर आगामी जीवन की ओर जीने के लिए उस प्रभु परमेश्वर की तरफ अपना ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। जिस तरह हम अपने धन का बजट बनाते हैं, उसी तरह हमें अपने आगामी जीवन का बजट भी बनाना चाहिए।

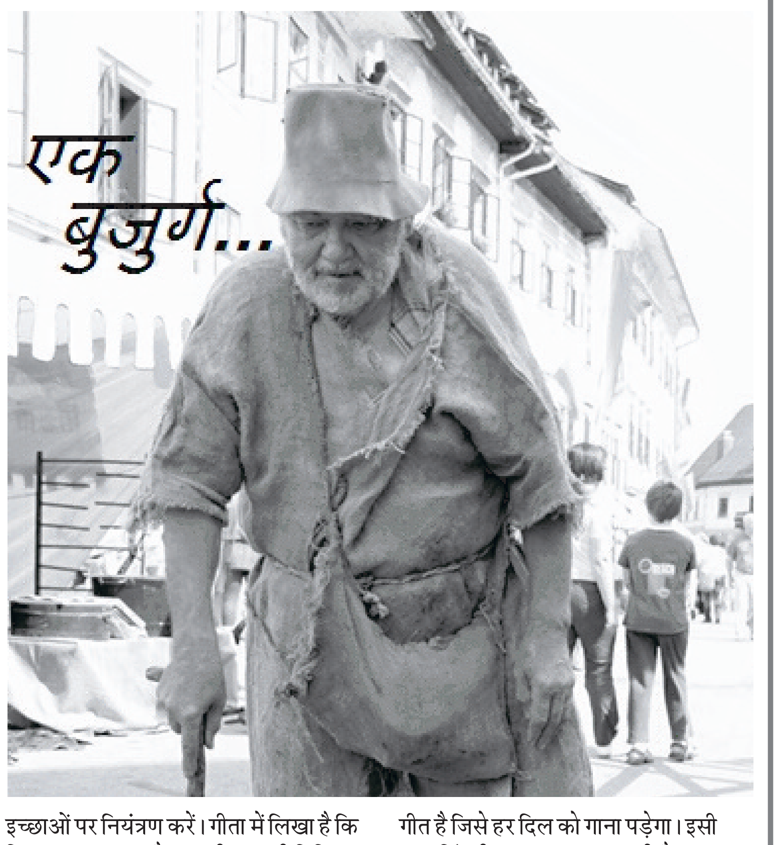

हास्य रस

सडक़ें चौड़ी हो गई हैं!

सुबह-सुबह को बुलाया था मुख्यमंत्री ने, बोले-'देखो हम सडक़ें चौड़ी कर रहे हैं। आवागमन सुविधाजनक होता जा रहा है।' मैंने कहा-'सडक़ें ही क्यों, पुल बन रहे हैं और नए-नए फ्लाईओवर। शहर को आपने चमाचम कर दिया है। बिजली अबाधित है। थोड़ा-सा गांवों पर भी ध्यान दें तो अगले चुनाव में नौका आसानी से किनारे जा लगेगी।' मेरी बात पर थोड़ा झुंझलाए, फिर सहज होकर बोले-'गांवों की और चुनावों की चिंता तुम छोड़ो। मैंने तुम्हें इसलिए बुलाया था कि तुमने देख लिया कि राजधानी में विकास किस गति से गतिमान है।' मैं बोला-'विकास की मत पूछिए। इसके नाम पर तो आपने गंगा बहा दी है। अतिक्रमण की समस्या लगभग समाप्त हो गई है। थोड़ा-सा हाउसिंग सोसाइटीज पर ध्यान दे लेते तो और उत्तम रहता।' वह फिर बोले-'हाउसिंग सोसाइटीज को मारो गोली। विकास की बही गंगा पर एक 'राइटअप' लिख मारो।' मैंने कहा-'लिखने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन छपवाना जरा जटिल है।' वह बोले-'उसकी चिंता छोड़ो, सब मैनेज करा दूंगा। तुम तो अपना 'राइटअप' तैयार करो।' मैंने कहा-'सर, यह अकाल का क्या लफड़ा है? आए दिन चला आता है।' वह बोले-'जरा धीरे बोलो, अकाल को कन्टीन्यु करने दो। यह बहुत जरूरी है। काफी लोग जूझ रहे हैं। काफी लोग काम कर रहे हैं। इस तरह काफी लोग खा रहे हैं। काफी लोग जीविका जुटा रहे हैं। अकाल बहुत जरूरी है हमारे लिए। बारिश शुरू तो हो गई है, लेकिन इससे बात बनी नहीं है। राइटअप में अकालों को तो सब साइड ही कर देना। इसे आवश्यकता हुई तो बाद में देखेंगे। तुम तो हमने जो सडक़ें चौड़ी की हैं, उस पर गौर करो। कुल मिलाकर विकास की गंगा बह निकली है, उसे केंद्रबिन्दु बनाना है।' मैं बोला-'सडक़ों पर तो लिखना ही पड़ेगा।

वाकई सडक़ें बहुत चौड़ी हो गई हैं। मकान-दुकान तोडक़र भी इन्हें चौड़ा किया गया है। लेकिन सर इधर सडक़ बनकर तैयार होती है और उधर दूसरे ही दिन इन्हें खोद दिया जाता है। कभी सीवर लाइन के लिए और कभी टेलीफोन के लिए।' 'इसे भी छोड़ो, इसे मैं देख लूंगा, राइटअप में इसका भी जिक्र नहीं करना है। मैंने कहा न, सडक़ें पेरिस का मुकाबला कर रही हैं। इस पर ध्यान देना है तुम्हें।' वह बोले तो मैंने कहा-'मैं मानता हूं। सडक़ों के मामले में हम पेरिस से आगे जा रहे हैं। परंतु महंगाई सुरसा की तरह फैलती जा रही है।' इस बार उन्होंने दोनों हाथों से अपना सिर पकड़ लिया। बालों को खींचा, आसमान को देखा और फिर मुझे घूरकर बोले-'तुम क्यों नहीं बात का मर्म समझ रहे। महंगाई से मेरा लेना-देना क्या है? सुनो भूख से कोई मर जाए, लेकिन महंगाई से मरते मैंने किसी को नहीं देखा। इधर कलर टीवी हमने सस्ता किया है। खरीदने वालों का तांता लगा हुआ है। इसलिए महंगाई की बात बेमानी है। 'राइटअप' में महंगाई का जिक्र तो 'भूले' से भी नहीं करना है, मैंने कहा न, सडक़ें बहुत चौड़ी हो गई हैं। विकास की गंगा बह रही है।' 'सर मैं दोनों ही बातों से इंकार नहीं करता, परंतु गरीबों को दिया जाने वाला सस्ता राशन अभी तक दुकानों पर नहीं पहुंचा है। वहां कतारें लंबी हो रही हैं। गरीबी हटाने के मुद्दे से तो आप मुकर नहीं सकते।' मैंने कहा तो इस बार वह लगभग चिल्लाकर बोले-'शर्मा समझो। गरीबी नहीं मिटाना हमारी विवशता है। कहना और करना दो अलग-अलग बातें हैं और हम उस पर अमल कर रहे हैं। इसलिए इस बात को भी अलग रखो। सडक़ें चौड़ी हो गई हैं।'

पूरन सरमा

इनसाइड

UPI ने दिया लोगों को नया अपडेट, इस दिन शुरू होगी यूपीआई की नई सर्विस, आपको मिलेगा यह लाभ

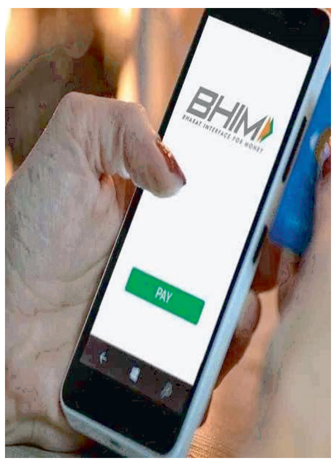

देश में ऑनलाइन पेमेंट की संख्या में तेजी देखने को मिली है। इस तेजी को बरकरार रखने के लिए RBI द्वारा कई अहम कदम उठाए जा रहे हैं। एमपीसी बैठक में UPI ट्रांजेक्शन की संख्या को 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख का एलान किया। यह नया नियम 10 जनवरी से लागू होगा। केवल अस्पतालों और एजुकेशन सर्विसेस के लिए यूपीआई की लेनदेन की लिमिट को बढ़ाया गया।

नई दिल्ली। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) देश में यूपीआई की संख्या में तेजी लाने के लिए लोगों को नई सुविधा दी। दरअसल, 10 जनवरी 2024 से अस्पतालों और एजुकेशन सर्विसेस के लिए यूपीआई लेनदेन की लिमिट को बढ़ा दिया है। अब 5 लाख रुपये तक का ऑनलाइन पेमेंट किया जा सकता है।

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने पिछले महीने निर्देश दिया था कि अस्पतालों और एजुकेशन सर्विसेस में अब 5 लाख रुपये तक की पेमेंट किया जा सकता है। पहले इन सेक्टर में यूपीआई पेमेंट को लेकर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा था। एनपीसीआई ने बैंकों और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स और यूपीआई एप्लिकेशन को लिमिट बढ़ाने का आदेश दिया है।

पहले यूपआई की लिमिट 1 लाख रुपये थी जो अब बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गई है। यह लिमिट केवल वेरिफाइड मर्चेंट्स पर लागू होगा। ऐसे में मर्चिंट्स को पेमेंट मोड के रूप में यूपीआई को शुरू करना जरूरी है। वहीं यूपीआई के एक दिन की लिमिट 1 लाख रुपये निर्धारित की गई है।

दिसंबर महीने में हुई मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी में आरबीआई ने यूपीआई लिमिट को बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया है। इसका लाभ यूपीआई के सभी सहायक ऐप जैसे पेटीएम, गूगल पे, फोनपे ऐप्स पर भी यह सुविधा मिलेगी। सभी बैंक में भी ग्राहकों को यह सुविधा दा जीएगी।

यूपीआई लेनदेन में तेजी

देश में यूपीआई पेमेंट में तेजी देखने को मिली है। वर्ष 2023 तक में यह 100 अरब के पार पहुंच गई। एनपसीआई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022 में लगभग 126 करोड़ यूपीआई पेमेंट हुई थी। वहीं, पिछले साल 2023 में इसकी संख्या में 60 फीसदी की तेजी दर्ज हुई है।

विबरांत गुजरात सम्मिट में धर्मेंद्र प्रधान ने लिया हिस्सा, कौशल विकास को लेकर कही ये बात

परिवहन विशेष न्यूज

कार्यक्रम में बोलते हुए प्रधान ने इस बात पर जोर दिया कि कौशल विकास के लिए वैश्विक नेटवर्क विकसित करना इस अत्यधिक अन्योन्याश्रित दुनिया में सफलता प्राप्त करने की कुंजी है। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य वैश्विक नेटवर्क से संभव होगा और जब भारत विकसित होगा तो पूरा ग्लोबल साउथ विकसित होगा।

गांधीनगर। केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास व उद्यमिता मंत्री, धर्मेंद्र प्रधान ने महात्मा मंदिर कन्वेंशन और प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन 2024 में कौशल विकास के लिए वैश्विक नेटवर्क विकसित करने पर उद्घाटन सत्र में भाग लिया।

2047 तक विकसित देश बनेगा भारत

कार्यक्रम में बोलते हुए, प्रधान ने इस बात पर जोर दिया कि 'कौशल विकास के लिए वैश्विक नेटवर्क विकसित करना' इस अत्यधिक अन्योन्याश्रित दुनिया में सफलता प्राप्त करने की कुंजी है। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य वैश्विक नेटवर्क से संभव होगा और जब भारत विकसित होगा, तो पूरा ग्लोबल साउथ विकसित होगा।

G20 का किया जिक्र

जी20 घोषणापत्र का जिक्र करते हुए उन्होने उल्लेख किया कि कैसे कौशल के लिए एक वैश्विक मानचित्र बनाने की आवश्यकता महसूस की गई, जैसा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रस्तावित किया था। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में ज्ञान और दक्षताएं एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी जो सभी के लिए ज्ञान और कौशल विकास के अवसरों तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के महत्व को रेखांकित करेगी।

वसुधैव कुटुंबकम को लेकर कही ये बात

प्रधान ने 'वसुधैव कुटुंबकम' के सिद्धांत के महत्व को रेखांकित किया और यह भी कहा कि भारत दुनिया के समग्र कल्याण के लिए मानवीय संबंध बनाने की जिम्मेदारी लेता है। तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 2003 में संकल्पित वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट, समावेशी विकास और सतत विकास के लिए व्यापार सहयोग, ज्ञान साझाकरण और रणनीतिक साझेदारी के लिए सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक मंचों में से एक के रूप में विकसित हुआ है।

वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट का 10वां संस्करण 10 से 12 जनवरी 2024 तक गांधीनगर, गुजरात में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें 'गेटवे टू द फ्यूचर' थीम के साथ ₹सफलता के शिखर सम्मेलन के रूप में वाइब्रेंट गुजरात के 20 साल₹ का जश्न मनाया जाएगा।

Wipro, HDFC life और Aditya Birla ने जारी किये तिमाही नतीजे, जानिए कैसे रही कंपनी की परफॉर्मेंस

जनवरी में कई कंपनी अक्टूबर से दिसंबर तिमाही नतीजों का ऐलान करती है। बीते दिन भी आईटी सेक्टर की कंपनियों ने तिमाही नतीजें जारी किये थे। आज क्वाटर रिजल्ट का सिलसिला जारी है। बाजार बंद होने के बाद एचडीएफसी लाइफ और विप्रो ने दिसंबर तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया है। आइए जानते हैं कि इस तिमाही कंपनी का वित्तीय प्रदर्शन कैसा रहा?

नई दिल्ली। अक्टूबर से दिसंबर तिमाही के अंत के बाद जनवरी में कंपनी अपने वित्तीय प्रदर्शन का ब्यौरा देती है। बीते दिन आईटी सेक्टर की कंपनियों ने तिमाही नतीजे जारी किये थे। वहीं,आज विप्रो (Wipro), एचडीएफसी लाइफ (HDFC Life) और अदित्य बिरला (Aditya Birla) ने तिमाही नतीजे जारी किये हैं।

चलिए, जानते हैं कि दिसंबर तिमाही में कंपनी का वित्तीय प्रदर्शन कैसा रहा?

विप्रो का तिमाही नतीजा

आईटी कंपनी विप्रो ने अपने तिमाही नतीजे के रिपोर्ट में बताया कि उनका नेट प्रॉफिट में गिरावट दर्ज हुई है। इनका नेट प्रॉफिट 11.74 फीसदी की गिरावट के साथ 2,694.2 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल इसी अवधि में कंपनी को 3,052.9 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था।

वहीं इस तिमाही कंपनी का रेवेन्यू 4.4 प्रतिशत गिरकर 22,205.1 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 23,229 करोड़ रुपये था।

विप्रो ने कहा कि उसे उम्मीद है कि मार्च 2024 तिमाही में आईटी सर्विस से राजस्व 2,615 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 21,845 करोड़ रुपये) से 2,669 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 22,296 करोड़ रुपये) के बीच रहेगा।

एचडीएफसी लाइफ

एचडीएफसी लाइफ ने बताया कि दिसंबर तिमाही में उनका नेट प्रॉफिट 16 फीसदी की बढ़त के साथ 365 करोड़ रुपये रहा। वहीं, एक साल पहले कंपनी का मुनाफा 15 करोड़ रुपये था।

दिसंबर तिमाही में कंपनी की इनकम में भी तेजी आई है। कंपनी का कुल आय 19,693 करोड़ रुपये से बढ़कर 26,694 करोड़ रुपये हो गया। नौ महीने में कंपनी ने बीमाकर्ता से 1,157 करोड़ रुपये का लाभ कमाया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 1,001 करोड़ रुपये था।

अदित्य बिरला

अदित्य बिरला ने भी दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिये हैं। इस तिमाही कंपनी का नेट प्रॉफिट 9.9 करोड़ रुपये से बढ़कर 42.3 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, कंपनी की इनकम में दोगुना की तेजी देखने को मिली है।

दूसरे कारोबारी सत्र में भी जारी रही भारतीय करेंसी में तेजी, डॉलर के मुकाबले इतने उछला रुपया

Dollar Vs Rupee Rate आज वर्ष 2024 के पहला कारोबारी हफ्ता खत्म हो गया है। इस हफ्ते शेयर बाजार में उतरा-चढ़ाव के साथ भारतीय करेंसी में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। आज डॉलर के मुकाबले रुपया 8 पैसे की बढ़त के साथ बंद हुआ है। वही आज शेयर बाजार भी हरे निशान पर बंद हुआ है।

नई दिल्ली। वर्ष 2023 के पहले कारोबारी हफ्ते में भारतीय शेयर बाजार के साथ ही रुपया का शुरुआत नकारात्मक हुई थी, लेकिन बीच हफ्ते में इन दोनों में तेजी देखने को मिली थी। कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन भी डॉलर के मुकाबले रुपया 8 पैसे की बढ़त के साथ बंद हुआ है। वहीं, शेयर मार्केट भी उच्चतम स्तर पर बंद हुआ है।

फॉरेक्स ट्रेडर्स ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशों में मजबूत ग्रीनबैक ने स्थानीय इकाई के लाभ को सीमित कर दिया।

उच्चतम स्तर पर रुपया

आज अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, स्थानीय इकाई ग्रीनबैक के मुकाबले 83.23 पर खुली। इसके बाज रुपया ग्रीनबैक के मुकाबले इंट्रा-डे में 83.24 के निचले स्तर और 83.12 के उच्चतम स्तर के बीच झूलता रहा और अंत में 83.16 पर बंद हुआ। यह पिछले बंद से 8 पैसे अधिक है।

डॉलर इंडेक्स हुआ मजबूत

दुनिया की बड़ी करेंसी के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की मजबूती बताने वाला डॉलर इंडेक्स 0.25 प्रतिशत गिरकर 101.68 पर बना हुआ है। कच्चे तेल में आज फिर तेजी देखी जा रही है और यह 0.90 प्रतिशत बढ़कर 78.29 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर है।

हरे निशान पर स्टॉक मार्केट

आज शेयर बाजार उच्चतम स्तर पर बंद हुआ है। सेंसेक्स 178.58 अंक या 0.25 प्रतिशत बढ़कर 72,026.15 अंक पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 52.20 अंक यानी 0.24 प्रतिशत बढ़कर 21,710.80 अंक पर पहुंच गया। एक्सचेंज डेटा के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक ने गुरुवार को 1,513.41 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

लोहड़ी से पहले महंगा हुआ सोना और सस्ती हुई चांदी, चेक करें आपके शहर में क्या है लेटेस्ट रेट

जनवरी को दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोने और चांदी के नए रेट अपडेट हो गए हैं। अगर आप सोना खरीदने की तैयारी कर रहे हैं तो आज आपके लिए एक खुशखबरी है। आज बाजार में सोना महंगा हुआ है लेकिन चांदी सस्ती हो गई है। आइए जानते हैं कहां सोने और चांदी का क्या रेट है?

नई दिल्ली। जनवरी 2024 को गोल्ड-सिलवर के नए रेट जारी हो गए हैं। कल पूरे देश में लोहड़ी का त्योहार मनाया जाएगा। ऐसे में हर त्योहार के सीजन में देश में सोने-चांदी खरीदना काफी शुभ माना जाता है।

बाजार में सोना महंगा हुआ है लेकिन चांदी सस्ती हो गई है। अगर आप भी गोल्ड और सिल्वर खरीदने का सोच रहे हैं तो आपको अपने शहर के लेटेस्ट रेट को जरूर चेक करना चाहिए।

सोना हुआ महंगा

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार वैश्विक स्तर पर कीमती धातु की कीमतों में उछाल के बीच शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमतें 130 रुपये बढ़कर 63,280 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। पिछले कारोबार में सोना 63,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटी के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा

विदेशी बाजारों से संकेत लेते हुए दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमतें 130 रुपये बढ़कर 63,280 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही हैं। वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं में वृद्धि के बीच, निवेशकों के बीच सुरक्षित संपत्ति के रूप में सोने की मांग बढ़ गई है।

इस बीच वायदा कारोबार में एमसीएक्स पर सोने का फरवरी कॉन्ट्रैक्ट 541 रुपये चढ़कर 62,329 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना बढ़त के साथ 2,038 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

सस्ता हुआ सिल्वर

आज चाँदी 300 रुपये गिरकर 76,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। इस बीच वायदा कारोबार में एमसीएक्स पर चांदी का मार्च कॉन्ट्रैक्ट 695 रुपये उछलकर 72,049 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में चांदी गिरावट के साथ 22.92 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर थी।

कहां सबसे सस्ता है गोल्ड और सिल्वर?

Today Gold Silver Rates: गुड रिटर्न के मुताबिक, समाचार लिखे जाने तक सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें इस तरह हैं-

दिल्ली में 24 कैरेट का 10 ग्राम सोना 63,100 रुपये है।

जयपुर में 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 63,100 रुपये में बिक रहा है।

पटना में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम 63,000 रुपये है।

कोलकाता में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम 62,950 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट का 10 ग्राम सोना 60,950 पर बिक रहा है।

बेंगलुरु में 24 कैरेट का 10 ग्राम सोना 62,950 रुपये का है।

हैदराबाद में 24 कैरेट 10 ग्राम सोना 62,950 रुपये का है।

चंडीगढ़ में सोने की कीमत 63,100 रुपये है।

लखनऊ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 63,100 रुपये है।

यूपीआई से पेमेंट करने का है शौक तो भूलकर भी ना करें ये गलतियां, खाली हो जाएगा अकाउंट

अब हम 1 रुपये से लेकर 1 लाख रुपये तक की पेमेंट आसानी से यूपीआई के जरिये कर देते हैं। कई बार हम यूपीआई करते समय गलती कर दते हैं। यह गलती हमें काफी महंगी पड़ जाती है। देश में यूपीआई से जुड़े फ्रॉड की संख्या बढ़ गई है। आज हम इस आर्टिकल में जानते हैं कि यूपीआई करते समय हमें कौन-सी गलतियां करने से बचना चाहिए।

नई दिल्ली। आज के समय में किराने से लेकर कोई बड़ी पेमेंट के लिए हम यूपीआई करना काफी पसंद करते हैं। देश में यूपीआई की संख्या में वृद्धि देखने को मिली है। आप कुछ सेकेंड में PayTm, PhonePay,BHIM या बाकी यूपीआई ऐप के जरिये आसानी से पेमेंट कर सकते हैं। ऑनलाइन पेमेंट की वजह से अब लोगों को कैश रखने की आवश्यकता नहीं होती है।

आपको बता दें कि आपको ऑनलाइन पेमेंट करते समय काफी सावधानी रखने की जरूरत है। अगर आपसे कोई गलती हो जाती है तो यह आपको वित्तीय तौर पर नुकसान पहुंचा सकता है। आज हम आपको बताएंगे कि आपको यूपीआई करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

यूपीआई पिन

आपको कभी भी अपना यूपीआई पिन किसी के साथ भी शेयर नहीं करना चाहिए। यूपीआई से पेमेंट करने से पहले हमसे पिन मांगा जाता है। अगर हम यह पिन किसी को साझा करते हैं तो कोई भी उस पिन का गलत इस्तेमाल करके अकाउंट से राशि निकाल सकते हैं। इस वजह से एक्सपर्ट भी सलाह देते हैं कि हमें यूपीआई पिन को पर्सनल रखना चाहिए।

इसके अलावा आप नियमित तौर पर अपनी यूपीआई पिन भी जरूर बदलें। यह आपके साथ होने वाले फ्रॉड की संभावना को काफी कम कर देता है।

स्क्रीन लॉक

आज लगभग सभी स्मार्टफोन में स्क्रीन लॉक की सुविधा मिल गई है। ऐसे में आपको खुद को किसी भी तरह के फ्रॉड से बचने के लिए अपना स्क्रीन लॉक करना चाहिए। यह आपके सभी ऐप की सिक्योरिटी के साथ आपके पेमेंट को सिक्योर करता है। अगर आप अपने फोन का स्क्रीन लॉक नहीं करते हैं तो कोई भी बड़ी आसानी से आपके फोन को हैक कर सकते है।

अपने फोन और अपने यूपीआई ऐप को सिक्योर करने के लिए स्क्रीन लॉक करना काफी जरूरी है। यह आपके ऐप को सिक्योर करता है।

यूपीआई आई-डी वेरिफाई

आप जब भी कोई यूपीआई पेमेंट करते हैं तो आपको यूपीआई-आडी वेरिफाई करनी चाहिए। कभी भी पेमेंट करते समय किसी भी प्रकार की जल्दबाजी ना करें। अगर आप जल्दबाजी में पेमेंट करते हैं तो गलत यूपआई आईडी पर ट्रांजेक्शन की उम्मीद होती है। ऐसे में आप कभी गलत यूपीआई आईडी पर ट्रांजेक्शन ना करें इसके लिए आपको दोबारा यूपीआई आईडी की जांच करनी चाहिए।

एक से अधिक यूपीआई ऐप

कई लोग ऑनलाइन पेमेंट के लिए एक स अधिक यूपीआई ऐप का इस्तेमाल करते हैं। एक से अधिक यूपीआई ऐप से हमेशा बचना चाहिए। कई बार एक से अधिक यूपीआई ऐप की वजह से हम कंफ्यूज हो जाते हैं। ऐसे में कोशिश करें कि आप हमेशा से यूपीआई पेमेंट के लिए केवल एक ही ऐप का इस्तेमाल करें। आपको कभी भी किसी अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए।

जल्द शेयर बाजार में Mobikwik की होगी लिस्टिंग, कंपनी ने SEBI में दोबारा फाइल किए ड्रॉफ्ट पेपर

बाजार में लिस्टिंग से पहले कंपनी को अपने आईपीओ का प्रस्ताव सेबी को देना होता है। आज मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड ने सेबी को ड्रॉफ्ट पेपर फाइल किया है। कंपनी इस आईपीओ के जरिये 700 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहे हैं। कंपनी ने 2021 में भी ड्रॉफ्ट पेपर फाइल किया था। मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड गुरुग्राम में स्थित है।

नई दिल्ली। मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड गुरुग्राम में स्थित है। यूनिकॉर्न फिनटेक फर्म वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड (MobiKwik Systems Ltd) ने आईपीओ के जरिये 700 रुपये जुटाने की योजना बना रहे हैं। इस राशि को जुटाने के लिए कंपनी ने सेबी के साथ ड्रॉफ्ट पेपर दाखिल किया है। कंपनी ने इससे पहले वर्ष 2021 में अपना ड्रॉफ्ट पेपर फाइल किया था। यह दूसरी बार है जब कंपनी ने ड्रॉफ्ट पेपर फाइल किया है।

पिछली बार कंपनी ने बाजार में प्रतिकूल स्थिति होने की वजह से आईपीओ की योजना को स्थगित कर दिया। कंपनी ने अपना ड्रॉफ्ट पेपर भी वापस ले लिया। कंपनी ने आज अपना ड्राफ्ट पेपर फाइल किया है। कंपनी इस आईपीओ में 700 करोड़ रुपये कलेक्ट करने की योजना बना रही है। कंपनी 700 करोड़ रुपये के फ्रेश इक्विटी जारी करेगी।

कंपनी 140 करोड़ रुपये तक की अपनी प्रतिभूतियों के प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पर विचार कर सकती है। अगर ऐसा होता है तो कंपनी कम शेयर जारी कर सकती है। कंपनी आईपीओ से जुटाए राशि में से 250 करोड़ रुपये का इस्तेमाल वित्तीय सर्विस को बढ़ाने के लिए और 135 करोड़ रुपये अपने बिजनेस के लिए करेगी।

इसके अलावा, डेटा, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और प्रोडक्ट और प्रौद्योगिकी में निवेश के लिए 135 करोड़ रुपये और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए 70.28 करोड़ रुपये का इस्तेमाल करेगी।

मोबिक्विक के बारे में

मोबिक्विक कंपनी का प्रमुख एप्लिकेशन, उपभोक्ताओं को डिजिटल क्रेडिट, निवेश और बीमा में विभिन्न भुगतान ऑप्शन और फाइनेंस प्रोडक्ट तक पहुंच प्रदान करता है। इसकी स्थापना बिपिन प्रीत सिंह और उपासना टाकू ने की थी। 30 सितंबर, 2023 को समाप्त छह महीनों के लिए वन मोबिक्विक सिस्टम्स का परिचालन से राजस्व 381.09 करोड़ रुपये और टैक्स ऑफ्टर प्रॉफिट 9.48 करोड़ रुपये था।

एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड और डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं, और लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड आईपीओ के लिए रजिस्ट्रार है। कंपनी के इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

'अयोध्या का राम मंदिर आदर्श बदलाव लाएगा', JNU कुलपति ने कहा- एक दूसरे के मजहब का अपमान न करें

परिवहन विशेष न्यूज

जेएनयू कुलपति शांतिश्री डॉ. पंडित ने कहा है कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भारत के सभ्यतागत इतिहास के साथ सामंजस्य बिठाने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य विश्वविद्यालय में एक ऐसा महौल बनाना है जहां हर कोई दूसरों की आस्था को ठेस पहुंचाए बिना या अपमान किए बिना जिम्मेदार तरीके से स्वतंत्र रूप से अपनी बात रख सके।

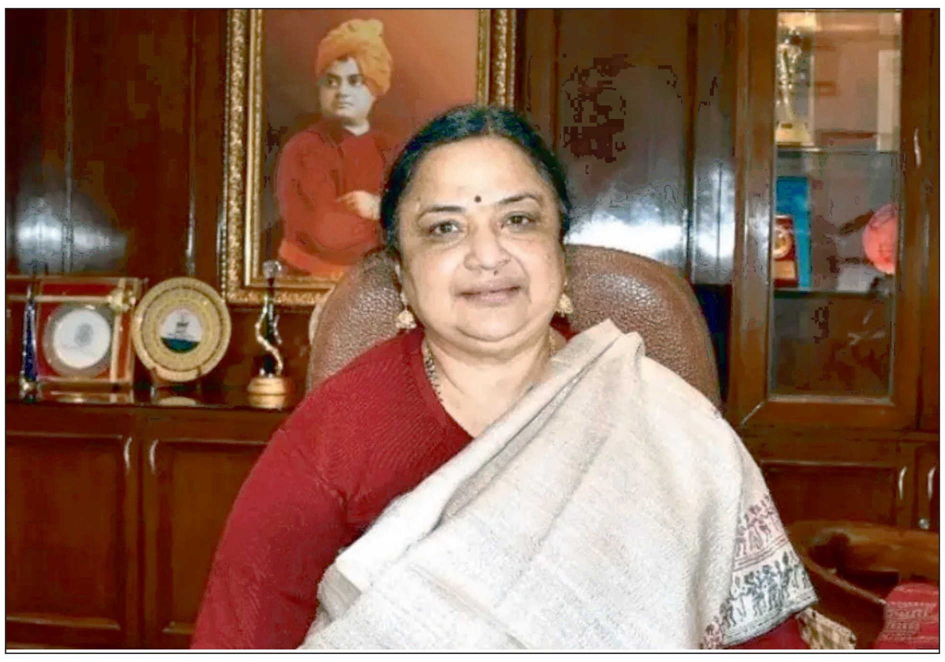

नई दिल्ली। नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलपति शांतिश्री डॉ. पंडित ने भगवान राम को एकजुट करने वाली शक्ति करार देते हुए कहा है कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भारत के सभ्यतागत इतिहास के साथ सामंजस्य बिठाने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह देश में एक आदर्श बदलाव लाएगा। पंडित ने ऐसा माहौल बनाने की भी वकालत की, जहां किसी को भी किसी अन्य के मत/मजहब का अपमान नहीं करना चाहिए।

उनकी यह टिप्पणी उस घटना के कुछ हफ्ते बाद आई है, जिसमें विश्वविद्यालय परिसर की दीवारों पर विवादित ढांचे के पुनर्निर्माण से संबंधित भित्तिचित्र बनाए गये थे और नारे लिखे गए थे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय इस घटना के बाद धार्मिक असहिष्णुता की घटनाओं से बचने के लिए परिसर में सुरक्षा उपाय बढ़ाने को लेकर कदम उठा रहा है। अगर किसी को अपने देश के साथ एकात्म होना है तो ये प्रतीक (भगवान राम) ही हैं, जो लोगों को एकजुट कर पाएंगे।

राम मेरे लिए एकात्मकता के प्रतीक- JNU कुलपति

उन्होंने कहा कि राम मेरे लिए एकात्मकता के प्रतीक हैं। राम पूरे देश के लिए एकात्मकता के प्रतीक हैं। राम मंदिर का निर्माण भारत के सभ्यतागत इतिहास के साथ सामंजस्य बिठाने के लिए महत्वपूर्ण है। पिछले साल दिसंबर में जेएनयू के भाषा अध्ययन केंद्र की दीवार पर विवादित ढांचे के पुनर्निर्माण से संबंधित भित्तिचित्र बनाये जाने की घटना सामने आने के बाद विवाद खड़ा हो गया था। भित्तिचित्र के बारे में उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन परिसर की टूटी हुई दीवारों की मरम्मत के लिए केंद्र के साथ बातचीत कर रहा है।

उन्होंने कहा कि इन टूटी दीवारों वाले स्थानों से बाहरी लोग अक्सर विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश करते हैं और संभव है उन्होंने ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐसी बातें लिखी हों। डॉ. पंडित ने कहा कि हमारी समस्या यह है कि हमारे पास परिसर में पर्याप्त कैमरे नहीं हैं। तो आप अपराधी को कैसे पकड़ेंगे। दूसरे, हमारे पास सुरक्षाकर्मी हैं, लेकिन वे प्रवेश द्वार पर होते हैं तथा कई लोग टूटी दीवारों वाले स्थान से परिसर में प्रवेश करते हैं। इसलिए हम यह नहीं जानते कि इसे वास्तव में किसने लिखा है- क्या वह कोई अंदरूनी व्यक्ति है या बाहरी व्यक्ति।

एक दूसरे के मजहब का अपमान न करें- डॉ. पंडित

कुलपति ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय में ऐसे विक्षिप्त तत्व हो सकते हैं, जो लोगों का ध्यान आकृष्ट करना चाहते हैं और मुझे लगता है कि इस प्रकार की चरम विचारधारा या कट्टरता, या दूसरे के प्रति असहिष्णुता को खत्म करने का एकमात्र तरीका ऐसा माहौल बनाने का है, जहां कोई भी एक-दूसरे के मत/मजहब का अपमान न करे। उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य विश्वविद्यालय में एक ऐसा महौल बनाना है, जहां हर कोई दूसरों की आस्था को ठेस पहुंचाए बिना या अपमान किए बिना जिम्मेदार तरीके से स्वतंत्र रूप से अपनी बात रख सके।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था चौकस करने के प्रयास के तहत जेएनयू प्रशासन वर्तमान में परिसर के उन स्थानों की पहचान कर रहा है, जहां सीसीटीवी कैमरे लगाये जा सकें। जेएनयू में अप्रैल 2022 में रामनवमी उत्सव के दौरान कथित तौर पर कावेरी छात्रावास में मांसाहार परोसने को लेकर दो छात्र समूहों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। झड़प के दौरान कुछ छात्रों को चोटें भी आई थीं।

लोकसभा चुनाव के लिए CM केजरीवाल ने झोंकी ताकत, 18 से 20 जनवरी तक गोवा में करेंगे जनसभा

परिवहन विशेष न्यूज

सीएम अरविंद केजरीवाल लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी को मजबूती देने में लगे हुए हैं। इसी के चलते अब उन्होंने अगली 18 19 और 20 जनवरी को गोवा का दौरा प्रस्तावित किया है। इससे पहले 11 और 12 जनवरी के लिए यह दौरा प्रस्तावित था। पिछला प्रस्तावित दौरा गणतंत्र दिवस कार्यक्रमों की तैयारियों से जुड़ी बैठकों के कारण निरस्त हो गया था।

नई दिल्ली। अगले लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए एक-एक दिन कीमती होता जा रहा है। खासकर तब जब आबकारी घोटाले मामले में पूछताछ के लिए उन्हें ईडी के तीन नोटिस मिल चुके हैं।

आम आदमी पार्टी इन नोटिस के पीछे भाजपा का षड्यंत्र बताकर केजरीवाल को गिरफ्तार करने की साजिश तक बता चुकी है। इस सब के बीच केजरीवाल लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी को मजबूती देने में लगे हुए हैं। इसी के चलते अब उन्होंने अगली 18, 19 और 20 जनवरी को गोवा का दौरा प्रस्तावित किया है।

केजरीवाल गोवा में कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे

पार्टी ने कहा है कि उनका यह दौरा लोकसभा चुनाव के मद्देनजर तैयारियों से जुड़ा है। केजरीवाल गोवा में कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। इससे पहले 11 और 12 जनवरी के लिए यह दौरा प्रस्तावित था। पिछला प्रस्तावित दौरा गणतंत्र दिवस कार्यक्रमों की तैयारियों से जुड़ी बैठकों के कारण निरस्त हो गया था।

गोशामहल मे भाजपा ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर भव्य श्रद्धांजलि दी

तेलंगाना हैदराबाद जगदीश सीरवी

हैदराबाद गोशामहल विधायक राजासिंह ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर दी भव्य श्रद्धांजलि। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एंडाला लक्ष्मी नारायण, भाजपा प्रदेश महासचिव गुज्जुला प्रेमेंदर रेड्डी, भाजपा प्रदेश मुख्य सचिव कसम वेंकटेश्वरलू और अन्य लोग भाग लिए हैं।

मुख्तार अब्बास नकवी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह का मिला आमंत्रण

अयोध्या मंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा अवसर के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी को निमंत्रित किया गया है। आमंत्रण का आभार जताते हुए नकवी ने कहा कि तारीखी लम्हें ऐतिहासिक पल का सौभाग्यशाली गवाह बनने का मुझे आमंत्रण मिला है। कपिल खन्ना ने बताया कि 22 जनवरी को अयोध्या धाम में राम लला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठित हो रही है।

नई दिल्ली। अयोध्या मंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा अवसर के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी को निमंत्रित किया गया है। विहिप, दिल्ली प्रांत के अध्यक्ष कपिल खन्ना व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख चंदर वाधवा ने उन्हें निमंत्रण पत्र सौंपा।

आमंत्रण का आभार जताते हुए नकवी ने कहा कि तारीखी लम्हें, ऐतिहासिक पल का सौभाग्यशाली गवाह बनने का मुझे आमंत्रण मिला है। कपिल खन्ना ने बताया कि 22 जनवरी को अयोध्या धाम में राम लला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठित हो रही है। हम सबका सौभाग्य है कि हमें यह दिवस देखने को मिल रहा है। यह 500 वर्षों के संघर्ष, प्रतीक्षा व अनेकानेक बलिदानका सुखद परिणाम है।

भाजपा खनन घोटाले की सीबीआई जांच की मांग करना व्यर्थ है - प्रसाद हरिचंदन

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा

भुबनेश्वर : राज्य सरकार ने बड़े पैमाने पर खनन भ्रष्टाचार किया है। विपक्ष के नेता जयनारायण मिश्र ने खनन घोटाले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। बीजेपी ने ओडिशा में 9 लाख करोड़ रुपये के खनन भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है.वहीं, इस मुद्दे पर कांग्रेस की अपनी राय है।प्रदेश कांग्रेस के पूर्व पीसीसी अध्यक्ष प्रसाद हरिचंदन ने कहा, "बीजेपी की सीबीआई जांच की मांग निरर्थक है. इसका कारण यह है कि विधानसभा में एक लोक लेखा समिति है और इस समिति के अध्यक्ष भी एक बीजेपी नेता हैं. बीजेपी नेता पहले ही शिकायत कर चुके हैं. तो क्या हुआ" क्या आज तक राज्य को इसका परिणाम मिला है?" प्रसाद हरिचंदन ने पूछा।

उन्होंने आगे कहा, ₹बीजेपी चुनाव से ठीक पहले इस मुद्दे को उठाकर और खननकर्ताओं पर दबाव डालकर कुछ लाभ पाने की उम्मीद कर रही होगी। खनन भ्रष्टाचार ने राज्य को जकड़ लिया है। इसकी जांच के लिए केंद्र सरकार ने जस्टिस एमबी शाह आयोग नियुक्त किया था। आयोग 2003-2010 के बीच था. उन्होंने खनन भ्रष्टाचार पर एक रिपोर्ट दी थी. उस समय 70 बड़ी कंपनियां खनन भ्रष्टाचार में शामिल थीं. उन्होंने रिपोर्ट में इसका भी जिक्र किया था. फिर सीबीआई से जांच के लिए कहा गया था. इस भ्रष्टाचार के समय बी.जे.पी और बिजेड़ी दोनों राज्य में सरकारें थीं।राज्य सरकार ने कभी भी उनके मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश नहीं की। ओडिशा के लोग जान सकते हैं कि इसका मतलब क्या है।

तेलंगाना मे भाजपा की जहीराबाद से लोकसभा सीट की जीत की तैयारियां शुरू हुई

तेलंगाना जगदीश सीरवी

तेलंगाना जहीराबाद संसद सीट पर भाजपा की जीत के लिए सबको मिलकर काम करना है

केंद्र सरकार की योजनाओं पर लोगों को शिक्षित करना चाहिए

पूरे देश के लोग भाजपा की तरफ देख रहे हैं

कामारेड्डी विधान सदस्य, भाजपा जहीरराबाद संसद चुनाव प्रभारी कटीपल्ली वेंकट रमणा रेड्डी

कामारेड्डी जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित संसद प्रवास योजना कार्यक्रम के तहत कामारेड्डी क्षेत्र स्तरीय नेताओं की बैठक हुई।

इस अवसर पर भाजपा जहीरराबाद संसद प्रभारी बद्दम महिपाल रेड्डी ने बात करते हुए कहा कि पार्टी की विचारधारा लोगों तक ले जाना चाहिए।

जहीराबाद संसद चुनाव प्रभारी कटीपल्ली वेंकट रमणा रेड्डी ने बात करते हुए कहा कि जहीराबाद संसद सीट पर भाजपा की जीत के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। खास कर कामारेड्डी में बोले बीजेपी को ऐसा काम करना चाहिए की ज्यादा से ज्यादा बहुमत मिले केंद्र सरकार की योजनाओं पर लोगों को शिक्षित करना चाहिए। देश भर के लोग भाजपा की तरफ देख रहे हैं, कहा तेलंगाना में भी भाजपा बहुमत सीट लेगी।

फर्स्ट सोलर ने भारत में अपने 3.3 गीगावॉट क्षमता वाले विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। फर्स्ट सोलर इंक (नैस्डैकः एफएसएलआर) ने तमिलनाडु में अपने पहले संयंत्रका उद्घाटन (अनवील) किया। यह कंपनी का देश में पहला पूरी तरह वर्टिकली इंटिग्रेटेड सौर विनिर्माण संयंत्रहै। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में तमिलनाडु सरकार के उद्योग, संवर्धन और वाणिज्य (इंडस्ट्रीज, प्रमोशंस और कॉमर्स) मंत्री डॉ. टी आर बी राजा के साथ-साथ भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी और यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन (डीएफसी) के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर स्कॉट नाथन उपस्थित रहे।

डॉ. टी आर बी राजा ने कहा, "हमें खुशी है कि फर्स्ट सोलर ने इस ऐतिहासिक निवेश के लिए तमिलनाडु को चुना, जिससे भारत के विनिर्माण केंद्र के रूप में हमारे राज्य की स्थिति मजबूत हुई।" उन्होंने कहा, "यह कारखाना स्थिरता और बेहतर विनिर्माण की दिशा में एक उच्च मानक स्थापित करता है और हमारे राज्य में अपनी उपस्थिति के साथ अच्छी नौकरियां पैदा करता है, और इससे सौर प्रौद्योगिकी के मामले में आत्मनिर्भर बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को समर्थन मिलता है। इस काम के लिए तमिलनाडु को चुनने पर श्री मार्क विडमर और उनकी टीम को विशेष धन्यवाद।

फर्स्ट सोलर के सीरीज 7 फोटोवोल्टिक (पीवी) सौर मॉड्यूल का उत्पादन करने वाले इस संयंत्र की सालाना नेमप्लेट क्षमता 3.3 गीगावाट (जीडब्ल्यू) है और यह प्रत्यक्ष रूप से लगभग 1,000 लोगों को रोजगार देता है। इस मॉड्यूल को अमेरिका में कंपनी के अनुसंधान और विकास केंद्रों में विकसित किया गया था और भारतीय बाज़ार को ध्यान में रखते हुए इसे अनुकूलित किया गया था।

फर्स्ट सोलर अमेरिकी मुख्यालय वाली अकेली कंपनी होने के कारण दुनिया के सबसे बड़े सौर विनिर्माताओं में बेजोड़ है। कंपनी का टेल्यूरियम-आधारित सेमीकंडक्टर आज उपलब्ध दूसरी सबसे आम फोटोवोल्टिक तकनीक है, जो इसे चीनी क्रिस्टलीय सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भरता से बचने में सक्षम बनाता है।

राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा, "एक महीने पहले दुबई में, सीओपी28 प्रतिभागियों ने 2050 तक नेट-जीरो उत्सर्जन हासिल करने के लिए, दुनिया को जीवाश्म ईंधन से दूर जाने के लिए एक साहसिक आह्वान किया था। फर्स्ट सोलर का यह उत्पादन संयंत्र हमारे स्वच्छ, हरित ऊर्जा की ओर वैश्विक बदलाव को संभव बनाने में मदद करेगा।

यह इस बात का एक बेहतरीन उदाहरण है कि जब संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत जलवायु से जुड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए सरकारी और निजी क्षेत्रों में मिलकर काम करते हैं तो क्या हासिल किया जा सकता है।"

लगभग 700 मिलियन डॉलर के निवेश वाला यह संयंत्र फर्स्ट सोलर का छठा परिचालन कारखाना है और इसके साथ कंपनी के वैश्विक विनिर्माण का अमेरिका, मलेशिया और वियतनाम सहित चार देशों में विस्तार हो गया है। इसमें पहले घोषित डीएफसी के लिए 500 मिलियन डॉलर का वित्तपोषण शामिल है।

डीएफसी के सीईओ स्कॉट नाथन ने कहा, "संयुक्त राज्य अमेरिका दुनिया भर में महत्वपूर्ण ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने और भारत में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अमेरिकी नवाचार और प्रौद्योगिकी का दोहन कर रहा है।" उन्होंने कहा, "यह संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए अच्छा है और यह भारत के लिए भी अच्छा है। इस 500 मिलियन डॉलर के वित्तपोषण से डीएफसी के सबसे बड़े बाजार और एक गतिशील निजी क्षेत्र के साथ समान विचारधारा वाले भागीदार भारत के साथ हमारी साझेदारी की बढ़ती ताकत का पता चलता है।"

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023